खबर जो सत्य उगले...

प्रचण्ड समय

हिंदी दैनिक समाचार पत्र

संपादक - अश्वनी वर्मा
70180-86211
prachandsamay.com

वर्ष-5, अंक-126, पृष्ठ-8, मूल्य- 6 रुपए

आरएनआई नंबर- एचपीएचआईएन/2019/79889

हिमाचल का सबसे तेज बढ़ता अखबार

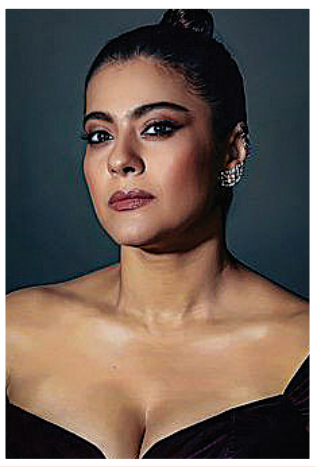

सुविचार

"गलत तरीके अपनाकर सफल होने से यही बेहतर है सही तरीके के साथ काम करके असफल होना।"

काजोल की थ्रोबैक... पेज-8

सीटू ने जारी किया मजदूरों का घोषणा पत्र, मजदूर... पेज-6

शिमला, शुक्रवार, 12 अप्रैल, 2024

प्रचण्ड समय स्कैंडल सीरियल

लेखक
अश्वनी वर्मा

कंगना का विक्रमादित्य पर पलटवार ज्यादा तीखा है

प्रचण्ड समय

कंगना के तरकश से पलटवार के जो बाण निकले हैं वे वार से ज्यादा तीखे हैं। उन्होंने राहुल गांधी और विक्रामदित्य सिंह का नाम लिए बिना कहा है कि दिल्ली में बड़ा पप्पू तो हिमाचल में छोटा पप्पू बैठा है। छोटे पप्पू को लगता है कि कंगना गौमांस खाती है। पर उनके पास सबूत के तौर पर वीडियो , फोटो या किसी रेस्टोरेंट का बिल है तो जनता के सामने सार्वजनिक करें। उन्होंने विक्रमादित्य सिंह पर तेज हमला बोलते हुए कहा कि उन्हें कंगना इस लिए अपवित्र और कलंकित लगती है क्योंकि कंगना को बाप के कारण बड़ा मुकाम नहीं मिला है। कंगना ने राहुल के साथ विक्रमादित्य सिंह को जिस तरह घेरा है, उससे हिमाचल और राहुल गांधी के खिलाफ भी अपना और मोदी का एजेंडा साफ कर दिया है। जाहिर है कि मंडी संसदीय सीट के लिए चुनाव की पूरी तैयारी करके कंगना मैदान में आई है। और वे वार और पलटवार के लिए किसी भी हद तक जा सकती है। कांग्रेस उम्मीदवार देने और प्रचार में पहले ही पीछे है। अगर कांग्रेस की तरफ से कोई बयान देता है तब उसका जवाब वे बगैर किसी भाजपा के किसी नेता की सहायता से दे रही है। वार करने से पहले कांग्रेस को पहले से ही काफी सोचना होगा।

राजेन्द्र राणा कहां से कहां तक

राजेन्द्र राणा कहां से कहा पहुंच गए हैं। कभी वे पूर्व मुख्यमंत्री प्रेमकुमार धूमल के हनुमान माने जाते थे। पर समय बदलता गया और राजेन्द्र राणा धूमल से लगातर दूरी बनाते चले गए। धूमल के करीबी थे तो कांग्रेस ने भी उस समय राणा को नहीं बख्शा। कांग्रेस ने एक चुनाव के दौरान जो आरोप पत्र तैयार किया उसमें उसने राणा को भी आरोपित कर दिया । पर कांग्रेस ने जब इतनी जलालत राणा की की तो कांग्रेस में आने के बाद कांग्रेस में दूध के धुले राणा कैसे हो गए। जब कांग्रेस के विश्वास पात्र राणा थे ही नहीं तो इतनी बुलंदियों पर राणा कांग्रेस में कैसे पहुंचे। जब आप अपनी पार्टी में अपने अविश्वास पात्र को ले रहे थे तो धोखा तो राणा कभी भी दे सकते थे। अब राणा कांग्रेस से बाहर होकर फिर भाजपा में हैं तो कांग्रेस को आश्चर्य भी नहीं होना चाहिए। राणा तो कह सकते हैं कि सुबह का भूला कोई शाम को घर आ जाए तो एसे कोई भूला नहीं कह सकते। राणा ने उस समय विधानसभा चुनावो में पूर्व मुख्यमंत्री प्रेमकुमार धूमल को हराया जब धूमल भाजपा के प्रोजेक्टिड मुख्यमंत्री थे। हार के करणा धूमल मुख्यमंत्री नहीं बन पाए। वे जख्म धूमल को अभी भी कचोटते होंगे। ऐसे में भाजपा में राणा कितने सहज होंगे यह तो समय ही बताएगा।

'कंगना को भगवान राम जल्द दें सदबुद्धि', विक्रमादित्य सिंह ने बीजेपी प्रत्याशी पर किया पलटवार

प्रचण्ड समय . शिमला

कांग्रेस नेता विक्रमादित्य सिंह ने बीजेपी प्रत्याशी कंगना रनौत पर पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि कंगना को भगवान सदबुद्धि दे। विक्रमादित्य सिंह ने कंगना की भाषा शैली पर निशाना साधते हुए कहा कि मनाली की जनसभा में कंगना ने जिस भाषा शैली का प्रयोग किया है वह हिमाचल की संस्कृति नहीं है। अब तक देवभूमि में ऐसी शब्दावली का प्रयोग नहीं हुआ है।

मंडी संसदीय क्षेत्र से कांग्रेस पार्टी के संभावित प्रत्याशी प्रदेश के लोक निर्माण मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने भाजपा प्रत्याशी कंगना रनौत पर पलटवार करते हुए कहा कि भगवान राम उन्हें जल्द सदबुद्धि दें। वह क्या खाती हैं और मुंबई में क्या पीती हैं। हिमाचल की जनता को इससे कुछ लेना देना नहीं है। न ही यह हिमाचल के मुद्दे हैं। खाने पीने के बजाय कंगना मुद्दों पर बात करें तो बेहतर रहेगा।

कंगना की भाषा शैली पर बोले विक्रमादित्य

मनाली की जनसभा में कंगना ने जिस भाषा शैली का प्रयोग किया है वह हिमाचल की संस्कृति नहीं है। अब तक देवभूमि में ऐसी शब्दावली का प्रयोग नहीं हुआ है।

इंटरनेट मीडिया में एक वीडियो शेयर कर विक्रमादित्य सिंह ने कहा कि प्रदेश के इतिहास की सबसे बड़ी आपदा मनाली में आई थी। मनाली में अपना घर बताने वाली कंगना कांग्रेस को कोसने के बजाय उस पर बात करती तो बेहतर होता।

मनाली में आई बाढ़ पर सुक्खू सरकार ने ही किया काम

प्रदेश सरकार ने 48 घंटे के अंदर बंद रास्तों को खोलकर जनता को राहत पहुंचाने का काम किया था। ग्राउंड जीरों पर जाकर पतलीकूहल का पुल और लेफ्ट बैंक बहाल करवाया।

केंद्रीय सड़क,परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी को मनाली लाकर वस्तुस्थिति से अवगत करवाया था।

मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने दिन रात एक कर काम किया था।

कंगना हमारी बड़ी बहन के समानः विक्रमादित्य

मंडी संसदीय क्षेत्र के लिए उनका क्या योगदान और विजन है, जनता को यह बताने का कष्ट करें। कंगना हमारी बड़ी बहन के समान है। ऐसी शब्दावली के लिए उन्हें नमन है। वह बंजार,सरकाघाट,आनी,कुल्लू,नाचन व बल्ह के 10 वर्ष से लंबित समस्याओं पर बात करें। कांग्रेस भी उन्हें उठाकर कर समाधान करवाने का प्रयास करेंगी। व्यर्थ के मुद्दे उठा जनता का समय बर्बाद न करें।

350 रुपए का रसोई गैस सिलेंडर 1000 में क्यों

प्रचण्ड समय . शिमला

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष और सांसद प्रतिभा सिंह ने कहा है कि प्रदेश के चार लोकसभा और छह विधानसभा उपचुनाव कांग्रेस के लिए महत्वपूर्ण है। यह चुनाव परिणाम प्रदेश की भावी राजनीति की दिशा और दशा तय करेंगे। प्रतिभा सिंह ने कहा कि कांग्रेस देश में लोकतंत्र की रक्षा की बहुत बड़ी लड़ाई लड़ रही है। देश भाजपा की तानाशाही और जनविरोधी नीतियों से परेशान हैं। जांच एजंसियों का दुरुपयोग कर भाजपा अपने विरोधियों को जेल में डाल रही है। देश से हो रहे इस अन्याय के खिलाफ कांग्रेस न्याय के लिए एक बहुत बड़ी लड़ाई लड़ रही है। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के घोषणा पत्र से भाजपा पूरी तरह बौखलाई हुई है।

यही वजह है कि भाजपा के नेता कांग्रेस के घोषणा पत्र को लेकर अनाप शनाप बयानबाजी कर लोगों को गुमराह करने का पूरा प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का घोषणा पत्र पार्टी का एक विजन दस्तावेज है, जो लोगों की आशा और आकांक्षाओं को पूरा करता है। देश में बढ़ती महंगाई और बेरोजगारी पर भाजपा के नेता कभी कोई बात नहीं करते। उन्होंने कहा कि यूपीए सरकार के समय जब एक गैस सिलेंडर 350 रुपए और पेट्रोल 60 सहित डीजल 50 रुपए लीटर के हिसाब से लोगों को मिलता था, तो उस समय भाजपा के नेता ढोल पीट कर बढ़ती महंगाई का अलाप करते थे, वहीं गैस सिलेंडर 1000 रुपए और पेट्रोल 100 रुपए से ऊपर सहित डीजल 90 रुपए लीटर तक लोगों को मिल रहा है तो भाजपा की जुबान पर ताला लगा है।

प्रतिभा सिंह ने कहा है कि प्रदेश की कांग्रेस सरकार पूरी तरह स्थिर है। उन्होंने कहा कि चारों लोकसभा और छह विधानसभा उपचुनाव में पार्टी की जीत के बाद प्रदेश सरकार ओर भी मजबूती के साथ आगे बढ़ती हुई जनहित के अपने सभी वादों को पूरा करेगी। प्रदेश सरकार ने ओपीएस लागू कर कर्मचारियों से किया अपना वादा पूरा किया है। महिलाओं को 1500 रुपए देने की गारंटी की शुरुआत हो चुकी है। बेरोजगार युवाओं को रोजगार शुरू करने के लिए 680 करोड़ की स्टार्टअप योजना भी शुरू कर दी है।

स्कूली बच्चे भी जानेंगे, कैसा है राष्ट्रपति निवास

प्रचण्ड समय . शिमला

हिमाचल के स्कूली छात्रों को अब शिमला स्थित राष्ट्रपति निवास रिट्रीट जाने का मौका मिलेगा। प्रदेश के सभी स्कूलों को 31 दिसंबर से पहले राष्ट्रपति निवास का दौरा करवाने के निर्देश जारी किए गए हैं। सभी स्कूलों के मुखियाओं को छात्रों से ये विजिट करवाने के लिए कहा गया है। दरअसल शिक्षा मंत्री को ओर से सभी विभागों को पहले ही ऐसा करने के लिए कहा गया है।

राष्ट्रपति निवास सप्ताह के दो दिनों को छोड़ 10 से 5 बजे तक हर दिन खुला रहता है। यहां तक राष्ट्रपति की ओर से खुद सभी स्कूलों के छात्रों और अन्य संस्थानों में पढऩे वाले छात्रों को यह सुविधा दी गई है कि छात्रों कभी भी राष्ट्रपति निवास का दौरा कर सकते हैं। इन्हीं आदेशों पर अमल करने के लिए कहा गया है कि 31 दिसंबर से पहले स्कूलों की स्टूडेंट वाइज लिस्ट तैयार करने के लिए कहा गया है। इसमें सभी छात्रों की सुरक्षा का जि ा स्कूल प्रबंधन का ही होगा। स्कूल इंचार्ज, हैडमास्टर या बीइइओ खुद छात्रों के साथ एक दिन इस विजिट के लिए निकालेंगे। एचआरटीसी की बसों में छात्रों को ये सुविधा दी जाएगी और इसका खर्चा ी एचआरटीसी ही वहन करेगा। प्रारंभिक शिक्षा निदेशक की ओर से ये निर्देश दिए गए हैं और इसमें स्टूडेंट का डाटा शिक्षा विभाग को भेजने के लिए कहा गया है।

प्रचण्ड समय

अब रोजाना देखें प्रचण्ड समय का ई-पेपर
www.prachandsamay.com पर

मुख्यमंत्री बहुत तनाव में हैं इसलिए कर रहे हैं उल्टी सीधी बयानबाज़ी : जयराम ठाकुर

प्रचण्ड समय . हमीरपुर

नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने कहा कि इस समय प्रदेश के जो राजनैतिक हालात है, कांग्रेस की जो स्थिति है, उसके कारण मुख्यमंत्री बहुत तनाव में हैं। उसी वजह से वह विचलित भी हैं। तभी उल्टी सीधी बयानबाज़ी कर रहे हैं। एक मुख्यमंत्री द्वारा किसी विपक्षी पार्टी के प्रत्याशी के प्रति हिंसा के लिए उकसाना, उन्हें खुली धमकी देना यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण हैं। चुनाव आयोग द्वारा उनके इस निंदनीय बयान का संज्ञान लिया गया। मुख्यमंत्री को इस तरह के अमर्यादित आचरण का नोटिस आना भी दुर्भाग्यपूर्ण हैं। जयराम ठाकुर ने कहा कि कांग्रेस सरकार पूरी तरह नाकाम है और जनविरोधी कामों को ही कर रही है। चुनाव में प्रदेश के लोग कांग्रेस को सबक़ सिखा देंगे। यह बातें उन्होंने हमीरपुर में पत्रकारों से बातचीत में कही।

जयराम ठाकुर ने कहा कि कांग्रेस हमेशा सनातन विरोधी रही है। हिमाचल के मुख्यमंत्री तो खुलेआम कई-कई बार कह चुके हैं कि उन्होंने हिमाचल में 97 प्रतिशत हिंदुत्व को हराया है। मुख्यमंत्री यह भूल गये हैं कि हिमाचल के लोगों ने कांग्रेस को वोट उनकी दस झूठी गारंटियों के नाम पर दिया था। जिसमें कांग्रेस के छोटे-बड़े नेताओं द्वारा पहली कैबिनेट में ही एक लाख युवाओं को नौकरी देने की क़समें खाई गई थी। हर विधान सभा क्षेत्र में एक हज़ार युवाओं को स्टार्टअप फण्ड देने के लिए कहा गया था। गाय का दूध 80 और भैंस का दूध 100 रुपए लीटर ख़रीदने के लिए कहा गया था। बागवानों द्वारा सेब के मूल्य ख़ुद तय करने के लिए कहा गया था। लेकिन उन गारंटियों की अब कोई बात ही नहीं करता है। यह कांग्रेस का आख़िरी झूठ साबित होगा। हाल में हुए तीन विधान सभा चुनावों में कांग्रेस की पूरी तरह से विदाई हो गई। जयराम ठाकुर ने कहा कि मुख्यमंत्री हमारे आंकड़े पूछ रहे है लेकिन उन्हें यह बताना चाहिए कि वह 43 से 34 पर कैसे आ गये। आख़िर ऐसा क्या हुआ है कि उनकी पार्टी के लोकप्रिय नेताओं को पार्टी छोड़नी पड़ी। प्रदेश के जो भी हालत हैं उसके लिए सिर्फ़ और सिर्फ़ मुख्यमंत्री दोषी हैं। इसलिए उन्हें ख़ुद में झांकने की आवश्यकता है। उनकी पार्टी की अध्यक्ष कह रही है कि अगर मेरी बात सुनी गई होती और कांग्रेस के उन विधायकों को सिर्फ़ मान-सम्मान दिया गया होता तो आज यह स्थिति नहीं आती। इसलिए मुख्यमंत्री को किसी और को दोष देना बंद करना चाहिए।

पत्रकारों द्वारा विक्रमादित्य सिंह द्वारा भाजपा प्रत्याशी कंगना रनौत पर दिये बयान के सवाल में जवाब में नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने कहा कि उन्हें मुद्दों पाए बात करनी चाहिए। अगर वह भाजपा के कैंडिडेट के ख़िलाफ़ मुद्दों पर बात करना चाहते हैं तो उनका स्वागत है। उन्हें यह बताना चाहिए कि पीडब्ल्यूडी मंत्री रहते हुए उन्होंने हिमाचल के विकास के लिए क्या किया। मंडी संसदीय क्षेत्र आपदा में सर्वाधिक प्रभावित रहा उसके लिए उन्होंने क्या काम किया। व्यक्तिगत टिप्पणी से किसी का भी भला नहीं होने वाला। क्योंकि इसका कोई अंत नहीं है। बात निकलेगी कोई भी नहीं बचेगा।

न्यूज ब्रीफ..

प्रदेश के चार लोकसभा व छः विधानसभा उप चुनाव कांग्रेस की जीत के लिये बहुत ही महत्वपूर्ण है : प्रतिभा सिंह

प्रचण्ड समय

शिमला . प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष एवं सांसद प्रतिभा सिंह ने पार्टी कार्यकर्ताओं से एकजुट होकर चुनाव मैदान में उतरने का आह्वान करते हुए कहा है कि प्रदेश के चार लोकसभा व छः विधानसभा उप चुनाव कांग्रेस की जीत के लिये बहुत ही महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा है कि यह चुनाव परिणाम प्रदेश की भावी राजनीति की दिशा व दशा तय करेंगे।

प्रतिभा सिंह ने कहा है कि कांग्रेस देश में लोकतंत्र की रक्षा की बहुत बड़ी लड़ाई लड़ रही है। उन्होंने कहा है कि देश आज भाजपा की तानाशाही व जन विरोधी नीतियों से परेशान है। जांच एजंसियों का दुरुपयोग कर भाजपा अपने विरोधियों को जेल में डाल रही है। देश से हो रहें इस अन्याय के खिलाफ कांग्रेस न्याय के लिये एक बहुत बड़ी लड़ाई लड़ रही है।

प्रतिभा सिंह ने कहा है कि अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के घोषणा पत्र से भाजपा पूरी तरह बौखलाई हुई है। यही वजह है कि भाजपा के नेता कांग्रेस के घोषणा पत्र को लेकर अनाप शनाप बयानबाजी कर लोगों को गुमराह करने का पूरा प्रयास कर रहें है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का घोषणा पत्र पार्टी का एक विजन दस्तावेज है जो लोगों की आशा व आकांक्षाओं को पूरा करता है।

प्रतिभा सिंह ने कहा है कि देश में बढ़ती महंगाई व बेरोजगारी पर भाजपा के नेता कभी कोई बात नही करते। उन्होंने कहा कि यूपीए सरकार के समय जब एक गैस सिलेंडर 350 रुपए व पेट्रोल 60 व डीजल 50 रुपये लीटर के हिसाब से लोगों को मिलता था तो उस समय भाजपा के नेता ढोल पीट कर बढ़ती महंगाई का अलाप करते थे। आज वही गैस सिलेंडर 1000 रुपए व पेट्रोल 100 रुपए से ऊपर व डीजल 90 रुपए लीटर तक लोगों को मिल रहा है तो भाजपा की जुबान पर ताला लगा है।

प्रतिभा सिंह ने कहा है कि प्रदेश की कांग्रेस सरकार पूरी तरह स्थिर है। उन्होंने कहा कि चारों लोकसभा व छः विधानसभा उप चुनावों में पार्टी की जीत के बाद प्रदेश सरकार ओर भी मजबूती के साथ आगे बढ़ती हुई जनहित के अपने सभी वादों को पूरा करेगी। प्रदेश सरकार ने ओपीएस लागू कर कर्मचारियों से किया अपना वादा पूरा किया है।महिलाओं को 1500 रुपए देने की गारंटी की शुरुआत हो चुकी है। बेरोजगार युवाओं को रोजगार शुरू करने के लिये 680 करोड़ की स्टार्टअप योजना भी शुरू कर दी है।

नारनौल में स्कूल बस पलटने से आठ बच्चो की मौत, अन्य 37 घायल

प्रचण्ड समय

राजेंद्र सिंह जादौन, चंडीगढ़ . हरियाणा के नारनौल में कनीना के गांव उन्हानी के पास बृहस्पतिवार को एक दर्दनाक बस हादसा हो गया। एक पेड़ से टकराकर स्कूल बस पलट गई। दुर्घटना में आठ बच्चों की मौत हो गई और करीब 37 अन्य घायल हो गए। घटनास्थल पर चीख-पुकार मच गई । गंभीर घायलों को रेवाड़ी अस्पताल पहुंचाया गया । सूचना पर स्थानीय पुलिस और लोग घटनास्थल पर पहुंचे।

उन्हाणी स्थित महिला कॉलेज के निकट सुबह हुई दुर्घटना के दौरान स्कूल बस चालक चलती बस से कूद गया और बस एक पेड़ से टकराकर पलट गई। दुर्घटना इतनी भयंकर थी कि बस पलटते ही स्कूली बच्चे बस के शीशों में से बाहर निकल कर गिर गए। बस में कुल 45 बच्चे थे और 37 अन्य घायल हुए। जीएल पब्लिक स्कूल कनीना की यह स्कूल बस सेहलंग, झाड़ली, धनौंदा, से कनीना की ओर बच्चों को लेकर जा रही थी। ईद होने के बावजूद स्कूल की छुट्टी नहीं की गई थी।प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार चालक बस से कूद गया। इसके बाद बस का पिछला हिस्सा पेड़ से टकरा गया। इस कारण बस पलट गई। बस की गति तेज होने की वजह से कुछ बच्चे शीशे तोड़ते हुए बाहर निकल कर गिए गए। कनीना से कुछ घायल बच्चो को नारनौल, पीजीआइएमएस रोहतक और रेवाड़ी रेफर किया गया। छितरौली के एक बच्चे की मौत मौके पर ही हो गई है। पुलिस वैन को उठाकर पुलिस थाने में ले आई। चालक अभी तक फरार है। घायलों का हाल जानने के लिए विधायक सीताराम यादव, पूर्व डिप्टी स्पीकर संतोष यादव और सीएमओ डा. रमेश आर्य भी अस्पताल में पहुंचे । इस पर वहा मौजूद लोगों ने जाम लगाकर हंगामा शुरू कर दिया। लोगों ने स्कूल संचालकों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई किए जाने की मांग की है।पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। पता चला है कि सेहलंग के ग्रामीणों ने बस चालक को शराब पिए हुए देखकर रोकने का प्रयास भी किया था, लेकिन वह नहीं रूका। मृतकों में अधिकांश बच्चे गांव धनौंदा के रहने वाले हैं।

जिला स्तरीय बैसाखी मेला 13 से 15 अप्रैल तक राजगढ़ में धूमधाम से मनाया जाएगा: राज कुमार ठाकुर

प्रचण्ड समय . राजगढ

जिला सिरमौर के राजगढ़ का प्रसिद्व एवं पारंपरिक तीन दिवसीय जिला स्तरीय श्री शिरगुल देवता बैशाखी मेले का शुभारंभ 13 अप्रैल को 9 बजे श्री शिरगुल देवता की पूजा अर्चना के साथ किया जाएगा। यह जानकारी देते हुए अध्यक्ष श्री शिरगुल देवता मेला कमेटी एवं एसडीएम राजगढ़ राज कुमार ठाकुर ने बताया कि मेले का विधिवत् शुभारंभ उपायुक्त सिरमौर सुमित खिमटा करेंगे।

वह प्रातः 9:30 बजे शिरगुल देवता की पालकी की शोभायात्रा में भाग लेंगे। शोभायात्रा पारंपरिक वाद्य यन्त्रों के साथ मंदिर से राजगढ़ बाजार होते हुए बस अड्डा, खण्ड विकास अधिकारी कार्यालय व नागरिक अस्पताल राजगढ़ के साथ होते हुए मेला ग्राउंड तक निकाली जाएगी। जिसमें सैंकड़ों की संख्या में श्रद्वालु व स्थानीय लोग भाग लेंगे।

उन्होंने बताया कि श्री शिरगुल देवता बैशाखी मेले के समापन समारोह के मुख्य अतिथि सुरेन्द्र सिंह ठाकुर पूर्व न्यायाधीश हि0प्र0 उच्च न्यायालय होंगे जबकि विशेष अतिथि विद्या सागर चौहान मै0 हिमाचल हाउस व फायरवर्कस सोलन होंगे।

उन्होंने बताया कि मेले में तीनों दिन सांस्कृतिक संध्याओं का आयोजन किया जाएगा। मेले के पहले दिन 13 अप्रैल को प्रातः 11:30 बजे से विभिन्न सॉस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। साँस्कृतिक संध्या क्रार्यक्रम सांय 5 बजे से 10 बजे तक होंगी जिसके मुख्य अतिथि अतिरिक्त जिला दंडाधिकारी सिरमौर लायक राम वर्मा और विशेष अतिथि योगेश रोल्टा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सिरमौर होंगे। रात्री कार्यक्रम में मुख्य कलाकार सुजाता मजूमदार, गगन, डॉ0 मदन झाल्टा व हनी नेगी लोगों का भरपूर मनोंरजन करेंगे।

उन्होंने कहा कि 14 अप्रैल को सुबह 11 बजे से दोपहर एक बजे तक विभिन्न स्कूलों के स्कूली बच्चों द्वारा कार्यक्रम प्रस्तुत किये जाएंगे तथा सायं 03 बजे से कवि सम्मेलन का आयोजन भी किया जाएगा। सांस्कृतिक संध्या कार्यक्रम 5 बजे 10 बजे तक होगा जिसके मुख्य अतिथि ललित जैन निदेशक जनगणना, चण्डीगढ़ एवं नागरिक पंजीकरण हिमाचल प्रदेश होंगे और विशेष अतिथि अनिल सिंह प्रबंध निदेशक ईनोवेटिव काला आम्ब, जिला सिरमौर, मुकेश विज मै0 हिमाचल हाउस व फायरवर्कस सोलन और गौरव महाजन सहायक आयुक्त जिला सिरमौर होगें व सॉस्कृतिक कार्यक्रम में मुख्य कलाकार तन्मय चतुर्वेदी, निकेष वर्मा जोनसारी, ए.सी. भारद्वाज और सुनील मस्ती आकर्षक सॉस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करेगें।

एसडीएम ने बताया कि मेले के अन्तिम दिन 15 अप्रैल को प्रातः 11 बजे से स्कूली बच्चों के सांस्कृतिक कार्यक्रमों के अलावा दोपहर 12.15 बजे से विशाल दंगल का आयोजन किया जाएगा जिसमें देश व प्रदेश के अलावा अन्य राज्यों के पहलवान भाग लेंगे।

उन्होंने बताया कि मेले के समापन समारोह के अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम सायं 5 बजे से 10 बजे तक आयोजित किए जाएंगे। मेले की अंतिम सांस्कृतिक संध्या कार्यक्रम के अवसर पर सुरेन्द्र सिंह ठाकुर पूर्व न्यायाधीश हि0प्र0 उच्च न्यायालय बतौर मुख्य अतिथि शिरकत करेंगे तथा विशेष अतिथि निहाल रापटा एरिया सेल्स मैनेजर कामधेनु पेंट्स और विद्या सागर चौहान मै0 हिमाचल हाउस व फायरवर्कस सोलन होंगे।

सॉस्कृतिक कार्यक्रमों में प्रदेश एवं स्थानीय कलाकारों के अलावा सुप्रसिद्ध कलाकार कुलदीप शर्मा, दलीप सिरमौरी व गीता भारद्वाज आकर्षक प्रस्तुतियों से लोगों का मनोरजन करेंगे। उन्होंने आम जनता से अधिक से अधिक संख्या में पधार कर मेले की शोभा बढ़ाने की अपील की है।

प्रधानमंत्री, मंत्रियों, सांसदों, मुख्यमंत्रियों व विधायको को पेंशन मिल सकता है तो मास्टर, डाक्टर, सिपाही, सुरक्षा बल जवान, क्लर्क, चपड़ासी को पेंशन क्यों नहीं ??:- डॉ संजीव गुलेरिया

बेबाक़ रघुनाथ शर्मा . जसूर

आज यहां प्रैस वार्ता में प्रदेश क्षेत्रीय गठबंधन के कांगड़ा-चम्बा लोकसभा चुनाव क्षेत्र से संयुक्त प्रत्याशी डॉ संजीव गुलेरीया ने भाजपा केंद्रीय सरकार से सवाल पूछते हुए कहा कि अगर सांसद पांच साल के लिए बनेगा तो एक बेरोजगार नोजवान चार साल के अग्निवीर बनेगा ऐसा क्यों?, ऐसी भर्ती को तुरन्त बंद किया जाए जिससे युवाओं को ठगा जा रहा है और उन के भविष्य से खिलवाड़ किया जा रहा है।

डॉ संजीव गुलेरिया पत्रकार बार्ता करते हुए

देश के किसानों को भी प्रधानमंत्री मोदी जी ने एमएसपी के नाम पर ठगा है।

न्यू पेंशन स्कीम रिटायर्ड कर्मचारी अधिकारी महासंघ हिमाचल के प्रदेश अध्यक्ष व मौजूदा क्षेत्रीय गांठबंधन के प्रत्याशी डाक्टर संजीव गुलेरीया ने सवाल खड़ा किया कि अगर प्रधानमंत्री, मंत्रियों, सांसदों, मुख्यमंत्रियों व विधायको को पेंशन मिल सकता है तो मास्टर, डाक्टर, सिपाही, सुरक्षा बल जवान, क्लर्क, चपड़ासी को पेंशन क्यों नहीं ?

गुलेरिया ने आगे कहा कि मोदी सरकार बेरोजगार युवाओं से दो करोड़ नोकरियाँ देने का बायदा कर युवाओं को सरकारी संस्थानों में रोजगार देने में असफल रही है, सरकारी संस्थानों को प्राइवेट ठेकेदारी प्रथा, आउटसोर्सिंग को बढ़ावा दे रही है जिस से हमारे पढ़े-लिखे युवाओं को सरकारी संस्थानों में रोजगार शुन्य के बराबर होता है।

प्रचण्ड समय

डाक्टर गुलेरीया ने देवभूमि हिमाचल प्रदेश की जनता से आह्वान किया कि "बेईमान को बेईमान" और "चोर को चोर बोलिए" व प्रदेश में लोकसभा की चारों सीटों में भाजपा प्रत्याशियों को हराइए अन्यथा कांग्रेस द्वारा बहाल की गई पुरानी पेंशन व्यवस्था और रोज़गार संसाधन बंद हो जाएंगे क्योंकि भाजपा देश भर में सरकारी संस्थानों को अडानी अंबानी जैसे बड़े बड़े धन्ना सेठों को बेच रही है आउटसोर्सिंग को प्रोत्साहित कर रही है जिस से आने वाले समय में हमारे पढ़े-लिखे बच्चों को सरकारी नौकरी ही नहीं मिलेगी क्योंकि सभी सरकारी विभागों को प्राइवेट ठेकेदारों को ठेके पर दे दिया जाएगा।

हमीरपुर के गांधी चौक पर आयोजित भाजपा की रैली पूरी तरह फ्लॉपः निशांत

प्रचण्ड समय . शिमला

युवा कांग्रेस के प्रदेश प्रवक्ता निशांत शर्मा ने वीरवार को हमीरपुर के गांधी चौक पर आयोजित भाजपा की रैली को पूरी तरह फ्लॉप बताया है।

यहां जारी एक प्रेस बयान में निशांत शर्मा ने कहा कि इस रैली में कुर्सियां खाली रहने से यह स्पष्ट हो गया है कि जनता के साथ बहुत बड़ा धोखा करके भाजपा में शामिल हुए बर्खास्त विधायकों को केवल आम जनता ही नहीं, बल्कि भाजपा कार्यकर्ताओं ने भी पूरी तरह नकार दिया है।

निशांत शर्मा ने कहा कि भाजपा और इसके साथ मिले बर्खास्त विधायक आम जनता के सामने पूरी तरह बेनकाब हो चुके हैं। उन्होंने कहा कि जयराम ठाकुर ने मुख्यमंत्री के रूप में अपने पांच वर्ष के कार्यकाल के दौरान जिला हमीरपुर को हाशिए पर धकेले रखा। यहां के वरिष्ठ भाजपा नेताओं के साथ जयराम ठाकुर का छत्तीस का आंकड़ा था। उस समय उन्होंने हमीरपुर जिला के किसी भी नेता को मंत्रिमंडल में शामिल करने लायक भी नहीं समझा।

जयराम ने हमीरपुर के बस अड्डे और अन्य विकास कार्यों के लिए फूटी कौड़ी तक नहीं दी। उन्होंने जिला के कई विकास कार्यों को लटकाए रखा। उस समय जयराम ने जिला के भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ भी सौतेला व्यवहार किया।

निशांत शर्मा ने कहा कि अब सत्ता के लालच में जयराम ठाकुर किस मुंह से बार-बार हमीरपुर आकर जनता से वोट मांग रहे हैं। उन्होंने कहा कि अब जिला हमीरपुर को ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू के रूप में मुख्यमंत्री मिला है। ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू ने केवल पंद्रह महीने में ही जिला हमीरपुर को

बस स्टैंड सहित कई बड़ी परियोजनाओं की सौगात दी है।

निशांत शर्मा ने कांग्रेस से भाजपा में गए नेताओं पर पलटवार करते हुए इन बर्खास्त विधायकों से पूछा कि जिला के पांचों विधानसभा क्षेत्रों में वर्तमान में चले विकास कार्य कैसे हो रहे हैं। युवा कांग्रेस के प्रवक्ता ने कहा कि मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने बर्खास्त विधायकों के विधानसभा क्षेत्रों में भी करोड़ों रुपए के विकास कार्य आरंभ करवाए हैं।

उन्होंने कहा कि भाजपा और बर्खास्त विधायकों के पाप का घड़ा अब भर चुका है तथा जनता भी इनकी कारगुजारियों को समझ गई है। निशांत शर्मा ने कहा कि 11 वर्ष बाद हमीरपुर की जनता को अपना मुख्यमंत्री मिला है। लालची व स्वार्थी नेताओं की महत्वाकांक्षा के लिए जिला की जनता अपने मुख्यमंत्री को गंवाना नहीं चाहती है। हमीरपुर की जनता अपने जिला से मुख्यमंत्री न होने का दर्द पहले ही बखूबी समझ गई है। उन्होंने कहा कि हमीरपुर जिला की जनता पढ़ी-लिखी है और अपना अच्छा-बुरा सब समझती है तथा इन लोगों के बहकावे में नहीं आएगी। निशांत शर्मा ने कहा कि बेसहारा बच्चों को गोद लेने, आपदा प्रभावितों को गृह निर्माण के लिए 7 लाख रुपए देने, एकल महिलाओं को सहारा देने, कर्मचारियों को ओपीएस देने, महिलाओं को हर माह 1500 रुपए की सम्मान राशि देने और कई अन्य कल्याणकारी योजनाएं आरंभ करके ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू ने देशभर में जनसेवा का एक उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया है।

निशांत शर्मा ने कहा कि प्रदेश सरकार की इन उपलब्धियों के आगे भाजपा का कोई भी हथकंडा कामयाब नहीं होगा।

न्यूज ब्रीफ..

भाजपा समर्थित बीडीसी सदस्य मनजीत कांग्रेस में शामिल

नादौन . नादौन ब्लॉक के जलाड़ी-चिलियां वार्ड नंबर-8 से भाजपा समर्थित बीडीसी सदस्य मनजीत कुमार वीरवार को कांग्रेस पार्टी में शामिल हो गए। उन्होंने मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू की नीतियों और सरकार के 15 महीने के कार्यकाल में हुए कार्यों में आस्था जताते हुए भाजपा को अलविदा कह दिया। मुख्यमंत्री ने मनजीत को हार पहनाकर कांग्रेस पार्टी में शामिल करवाया। मनजीत बीते चुनाव में 367 मतों से विजयी हुए थे। जलाड़ी सौंखलयां निवासी मनजीत लंबे समय से भाजपा में घुटन महसूस कर रहे थे। वह पार्टी में निष्ठावान कार्यकर्ता की तरह काम करते रहे, लेकिन उन्हें उचित मान-सम्मान नहीं मिला।

मनजीत को कांग्रेस पार्टी में शामिल कराने के समय जलाड़ी के प्रधान जगमोहन डोगरा मणी व विश्व हिंदू परिषद के पूर्व अध्यक्ष अमित शर्मा मौजूद रहे।

मनजीत ने मुख्यमंत्री को आश्वस्त किया कि वह कांग्रेस पार्टी में पूरी निष्ठा से कार्य करेंगे। बीडीसी सदस्य के नाते जो भी जिम्मेदारी उन्हें सौंपी जाएगी, उसे वह बखूबी निभाएंगे।

प्रदेश सरकार जनहित में बेहतरीन कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा कि भाजपा से कांग्रेस में आए मनजीत को उचित मान-सम्मान मिलेगा। वह सरकार के कार्यों को जन-जन तक पहुंचाएं और अपने वार्ड के विकास में अहम भूमिका अदा करें। कांग्रेस सरकार अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति को सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए काम कर रही है।

मुख्यमंत्री नायब सैनी ने स्कूल बस हादसे में दिवंगत बच्चों के परिजनों के प्रति संवेदना जताई

राजेंद्र सिंह जादौन, चंडीगढ़ . कहरियाणा के नारनौल स्कूल बस हादसे पर मुख्यमंत्री नायब सैनी ने दिवंगत बच्चो के परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि हादसे की जांच करवाकर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

रेवाड़ी के निजी अस्पताल में पहुंची उधर शिक्षा मंत्री सीमा त्रिखा ने रेवाड़ी पहुंचकर निजी अस्पताल में भर्ती 12 छात्रों का हाल जाना। इस मौके पर सीमा त्रिखा ने कहा :- निजी स्कूल संचालक व्यापार करना बंद करे।उन्होंने कहा कि स्कूल बस के ड्राइवर के साथ-साथ स्कूल के प्रिंसिपल व मालिक के खिलाफ ह एफआईआर दर्ज कराई जाएगी। स्कूल संचालक बच्चों की तरह खुद सीखे संस्कार ग्रहण करे। अवकाश के दिन स्कूल खोलना भी गंभीर बात है।.उन्होंने प्रदेश के सभी शिक्षा अधिकारी को ऐसे मामले में दिए कार्रवाई के निर्देश।

स्कूल बस हादसे पर पूर्व सीएम मनोहरलाल ने कहा कि घायल बच्चों का इलाज विशेषज्ञ डॉक्टर कर रहे है। घायल बच्चों के इलाज का खर्च सरकार वहन करेगी ।मृतक बच्चों के परिजनों को उचित मुआवज़ा दिया जाएगा।जाँच के बाद दोषियों को दी जाएगी कठोर सजा।ईद की छुट्टी के बावजूद स्कूल लगाना बड़ा उल्लंघन है।

भाजपा को हमीरपुर में बड़ा झटका, मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू के कार्यों से हुए प्रभावित

प्रचण्ड समय . नादौन

मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू की नीतियों में आस्था जताते हुए वीरवार को हमीरपुर नगर परिषद के अध्यक्ष मनोज मिन्हास ने पत्नी निशा मिन्हास व वार्ड नंबर-2 से पार्षद राजकुमार के साथ कांग्रेस पार्टी का दामन थाम लिया। कांग्रेस के बिकाऊ विधायकों को भाजपा के टिकट देने से मनोज आहत हैं। मनोज व राजकुमार के कांग्रेस में शामिल होने से पार्टी को हमीरपुर में बड़ा झटका लगा है। मुख्यमंत्री ने मनोज मिन्हास, निशा मिन्हास व राजकुमार को सेरा रेस्ट हाउस में पटका पहनाकर कांग्रेस में शामिल करवाया। मनोज ने मुख्यमंत्री सुखविंदर सुक्खू के 15 महीने के कार्यकाल को सराहनीय बताया है। उन्होंने कांग्रेस में शामिल होने के बाद कहा कि सरकार जनहित में काम कर रही है। कांग्रेस के छह बिकाऊ विधायक जनता का नहीं, निजी विकास चाहते थे। उन्होंने प्रदेश के विकास को सर्वोपरि नहीं माना। जनता ने उन्हें पांच साल के लिए चुनकर भेजा था, लेकिन वह 14 महीनों में ही लोगों से दगा कर गए। उपचुनाव से करोड़ों रुपये का अतिरिक्त बोझ जनता पर पड़ेगा। मनोज ने कहा कि मुख्यमंत्री के साथ कंधे से कंधा मिलाकर हमीरपुर शहर के विकास को गति देंगे। वर्षों से रुके कामों को तेज गति से सिरे चढ़ाया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमीरपुर शहर के विकास को मुख्य प्राथमिकता दें। शहर का स्वरूप बदलने के लिए कार्य करें। प्रदेश सरकार ने शहर के सौंदर्यीकरण व बिजली की तारों को भूमिगत करने के लिए करोड़ों रुपये का बजट जारी किया है, उसका पूरा सदुपयोग करें। शहर के लोगों को कांग्रेस सरकार के कार्यों से अवगत करवाएं। हमीरपुर जिला में विकास के नए आयाम स्थापित करने के लिए दिन-रात कार्य किया जाएगा। इस दौरान कांग्रेस के पूर्व उम्मीदवार डॉ. पुष्पिंदर वर्मा, पंकज मिन्हास, विवेक कटोच, सुतीक्ष्ण वर्मा और विकास लट्ठ मौजूद रहे।

नप अध्यक्ष ने बीते दिनों किया था यह पोस्ट

भाजपा में पुराने कार्यकर्ताओं को नजरंदाज करने और इसका बंदा, उसका बंदा का टैग लगाने से, दोगलों को अहमियत देने से आहत होकर कार्यकर्ता दूसरे दल में शामिल हो रहे हैं। इसका जीता जागता उदाहरण हमारे बचपन के मित्र गिरधारी लाल वर्मा हैं। इन्होंने पुष्पिंदर वर्मा की अगुवाई में कांग्रेस पार्टी ज्वाइन कर ली। सुनने में आया है कि इन्होंने किसी भी पद को लेने की शर्त नहीं रखी है। ये केवल चमचों, चापलूसों और झूठे लोगों से दुखी थे।

जनता को परेशान कर रही है परेशान कांग्रेस सरकार : सुखराम

प्रचण्ड समय . शिमला

भाजपा के पूर्व मंत्री प्रदेश उपाध्यक्ष एवं विधायक सुखराम चौधरी ने कहा की कांग्रेस राज में जनता परेशान है, लगातार सरकार एक के बाद एक ऐसे निर्णय ले रही है जिससे आम जनता पर परेशानी का दौर बढ़ता चला जा रहा है। कभी स्वास्थ्य सेवाओं को बंद करना और अब स्टांप पेपर बंद कर जनता को सरकार लगातार परेशान कर रही है।

उन्होंने कहा की प्रदेश सरकार ने स्टॉप पेपरों को स्टॉप वेंडरों के माध्यम से बेचने की पुरानी प्रणाली को पहली अप्रैल से बंद कर दिया है, ऐसे में अब लोगों को अपने काम करवाने के लिए पहले की तरह सीधे वेंडरों के पास से स्टांप पेपर नहीं मिल रहे हैं। पहले से बचे स्टॉक से किसी तरह से काम चला रहे हैं। मगर नए स्टांप जारी न होने से इनकी परेशानी बढ़ गई है। प्रदेश में लगभग 800 स्टॉप वेडर काम कर रहे हैं। जिनकी रोजी रोटी पर तलवार लटक गई है। यह चिंताजनक विषय है। सरकार के कैबिनेट फैसले के अनुसार पहली अप्रैल से हार्ड प्रति के तौर पर स्टॉप पेपर वेंडरों को नहीं दिए जा रहे हैं। मगर इसका विकल्प क्या होगा इस बारे में कोई भी दिशा निर्देश प्रदेश भर में कार्यरत वेंडरों को नहीं दिए गए हैं।

यह बहुत बड़ी लापरवाही है, इस कारण से प्रदेश के वेंडरों के पास लगभग 50 लाख का पुराना स्टॉक भी रूक गया है। जो बिक नहीं रहा है। अधिकारी पुराने स्टॉप पेपरों को फिजिकल तौर पर अस्वीकार कर रहे हैं। बताया जा रहा है कि सरकार ने यह सारा काम किसी कंपनी को सौंप दिया है। जिसके बारे में कोई स्पष्ट जानकारी लोगों को नहीं है। ऐसे में लोग भी भटक रहे हैं। जरूरी आवश्यक काम रुक गए हैं।

उन्होंने कहा की इस निर्णय पर सरकार को एक ठोस नीति का निर्माण करना चाहिए, जिससे जनता को राहत पहुंचे। जिस प्रकार से यह सरकार कंफ्यूज है उसकी प्रकार से इनके निर्णय भी कन्फ्यूजन में लिए जा रहे है।

उपायुक्त सुमित खिमटा ने नारग के स्कूल का औचक निरीक्षण किया

प्रचण्ड समय . शिमला

उपायुक्त सिरमौर सुमित ने नारग शिक्षा खंड के तहत राजकीय उच्च पाठशाला मलूटी का औचक निरीक्षण किया।

उपायुक्त ने इस अवसर पर विद्यालय के रिकॉर्ड की जांच की।

उन्होंने विद्यालय में चल रहे मिड डे मील योजना के तहत बच्चों को दिए जा रहे भोजन की भी जानकारी हासिल की।

शिक्षक विधार्थियो को दें गुणत्माक शिक्षा

उपायुक्त सिरमौर ने इस अवसर पर कहा कि स्कूलों में विद्यार्थियों को गुणात्मक शिक्षा प्रदान की जानी चाहिए।

उन्होंने कहा कि स्कूलों में शिक्षा के साथ-साथ विधार्थियो को खेलकूद तथा अन्य गतिविधियों जैसे स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण जैसे विषयों से भी जोड़ा जाना चाहिए ताकि विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास हो सके।

उपायुक्त ने स्कूल के प्रभारी तथा अन्य शिक्षकों को निर्देश दिए कि सभी विद्यार्थियों की शिक्षा पर विशेष ध्यान दिया जाये और शिक्षण कार्य में कोई भी कोताही न बर्ती जाये।

उन्होने कहा कि विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास शिक्षकों की जिम्मेवारी है और शिक्षकों को इस कार्य को ईमानदारी से निभाना चाहिए।

सुमित खिमटा अन्य अधिकारियो को भी करते हैं निरीक्षण के लिए प्रेरित*

उल्लेखनीय है कि उपायुक्त सुमित खिमटा जब भी जिला के प्रवास पर निकलते हैं तो वह विद्यालय, आंगनवाड़ी केंद्र आदि संस्थानों का निरीक्षण भी अवश्य करते हैं।

उपायुक्त, जिला के अन्य अधिकारियों को भी शिक्षण संस्थानों तथा आंगनवाड़ी केंद्रों आदि के निरीक्षण के लिए प्रेरित करते हैं। उनका मानना है कि इससे सरकारी संस्थानों क़ी कार्यप्रणाली में सुधार के साथ सेवा में गुणवत्ता भी बनी रहती है।

डॉ. सरबजीत सिंह और डॉ. नवरीत संधू ने 20वें अंतर्राष्ट्रीय आईओएस मिड ईयर कन्वेंशन में भाग लिया

प्रचण्ड समय . चंडीगढ़

शहर के दंत चिकित्सक डॉ. सरबजीत सिंह और डॉ. नवरीत संधू ने बाकू, अजरबैजान में 20वें इंडियन ऑर्थोडॉन्टिक सोसाइटी मिड ईयर कन्वेंशन में भाग लिया।

आईओएस के पूर्व उपाध्यक्ष और चंडीगढ़ ऑर्थोडॉन्टिक स्टडी ग्रुप के मुख्य संयोजक डॉ. सरबजीत सिंह ने स्पीडो-ऑर्थोडॉन्टिक्स की नई, तेज और दर्द रहित ब्रेसिज़ तकनीक पर बात की, जहां ब्रेसिज़ उपचार अत्यधिक सौंदर्यपूर्ण, तेज़, दर्द रहित और रोगियों के लिए बहुत आरामदायक है।

द परफेक्ट स्माइल डेंटल क्लिनिक, चंडीगढ़ के इम्प्लांटोलॉजिस्ट और प्रोस्थोडॉन्टिस्ट डॉ. नवरीत संधू ने भी ऑर्थोडॉन्टिक्स में बहु-विषयक दृष्टिकोण की भूमिका पर जोर दिया।

उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों में डॉ. जयेश रहलकर (अध्यक्ष, आईओएस) और डॉ. ज़ोर (संस्थापक सदस्य, अज़रबैजान ऑर्थोडॉन्टिक सोसाइटी), डॉ. ज़ेबा गैसीमोवा (अध्यक्ष, एओएस) शामिल थे। इस अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में दुनिया भर से 140 से अधिक डॉक्टरों ने भाग लिया।

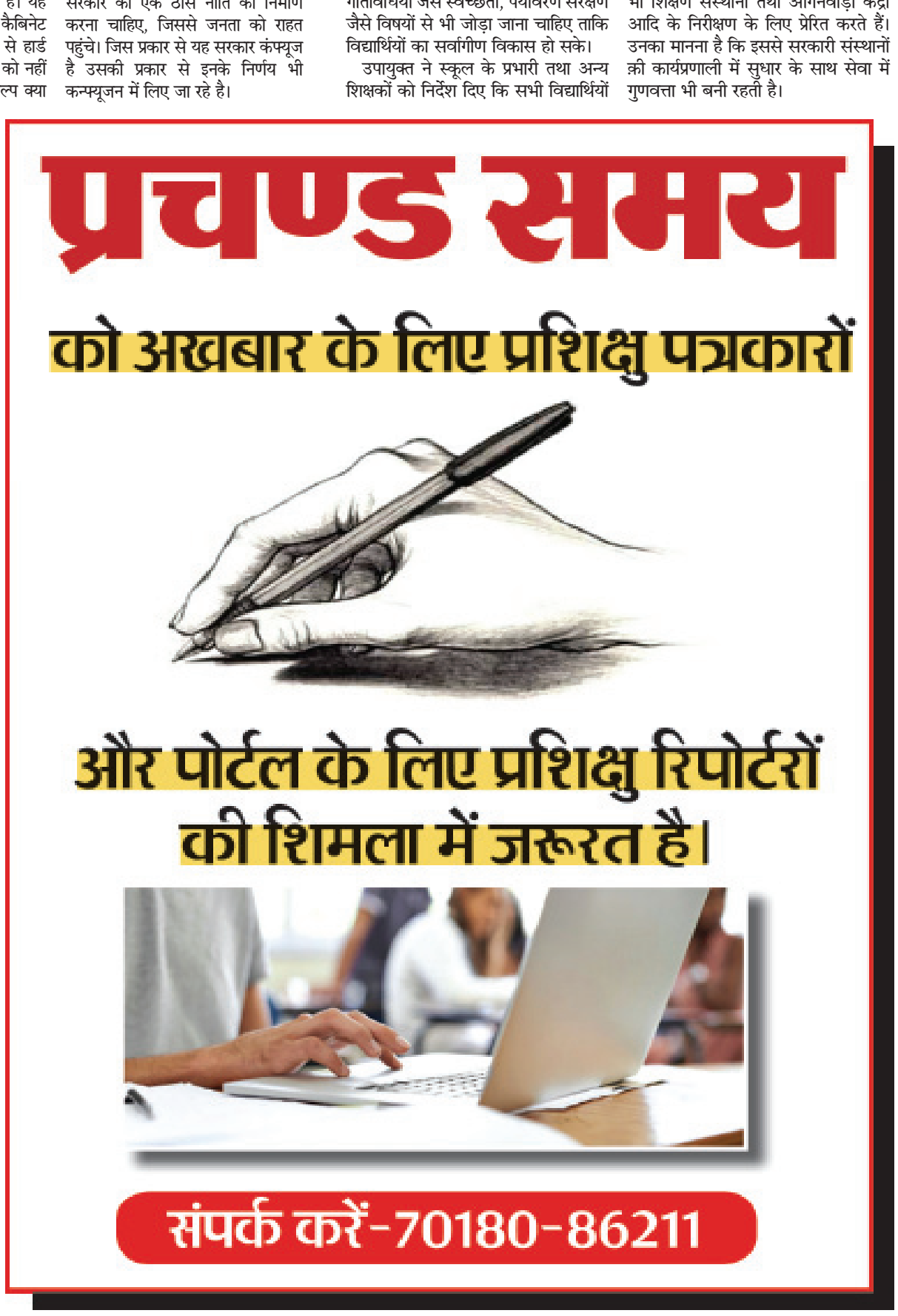

इस चुनाव में सोशल डिजिटल मीडिया एवं नई तकनीक से प्रचार प्रसार के सभी रिकॉर्ड टूटे

चुनाव और टेक्नोलॉजी

प्रो.(डॉ) कृष्ण कुमार रतू

हिंदी पंजाबी के सुपरिचित लेखक एवं मीडिया विशेषज्ञ

भारतीय चुनाव के इतिहास में इस बार संसदीय चुनाव जिन्हें आम चुनाव भी कहा जाता है अर्थात चुनाव 2024 इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि यह उस समय में हो रहे हैं जब पूरी दुनिया के देशों में चुनाव हो रहे हैं ।

एक अंदाज के मुताबिक इस समय दुनिया के 200 से ज्यादा देशों में से 70 देश में इस वर्ष 2024 में चुनाव होने जा रहे हैं परंतु सबसे बड़े देशों में जो जम्हूरियत अर्थात लोकतंत्र का एक चेहरा है और जिसमें भारतीय चुनाव २०२४ भारत देश तथा भारतवर्ष का लोकतंत्र दुनिया में सबसे बड़ा लोकतंत्र माना गया है ।

इस समय यह जो 140 करोड लोगों की घनी आबादी से अपनी सरकार को इस लोकतांत्रिक अर्थात जमहुरियत डेमोक्रेसी के द्वारा सता का परिवर्तन लाता है। यह एक अपने आप में विचित्र उदाहरण है तथा दुनिया में लोकतंत्र के लिए एक बड़ी प्रेरणा भी है।

इसके बाद अमेरिका का नाम आता है उसमें भी इस साल चुनाव होने हैं और वहां पर पिछले प्रेसिडेंट ट्रंप और वर्तमान प्रेसिडेंट वायडन के बीच कड़ा मुकाबला तथा प्रतिस्पर्धा देखने को मिलेगी ।

इसके बिना और दक्षिण अफ्रीका देशों में एवं एशियाई देशों के साथ-साथ योरोपीय देशों में भी चुनाव होने हैं परंतु सबसे बड़ा चुनाव का चेहरा कौन होगा यह अब लोग उसे तरह से तय नहीं करते जिस तरह से एक दशक पहले थे ।

बदल गया चुनाव प्रचार के साधन

इन दिनों चुनाव प्रचार के लिए सूचना प्रसार के जितने भी माध्यम है उनमें डिजिटल अर्थात सोशल मीडिया की भूमिका इतनी दिलचस्प और इतनी तकनीक से भरी हुई है कि वह लोगों का नया नॉरेटिव चुनने के लिए लोगों के लिए एक नई ताकत अर्थात चुनाव में सबसे बड़ा भागीदार कौन होगा तथा यही वो पक्ष है जो सोशल मीडिया अर्थात डिजिटल प्लेटफॉर्म पर आया है।

डिजिटल मीडिया से जिसके द्वारा विश्व की तमाम पॉलिटिकल पार्टियों तथा द्वारा अपना प्रचार प्रचार तथा लोगों से सीधी पहुंच के कारण इसका ज्यादा से ज्यादा इस्तेमाल कर रहे हैं । भारतीय संसदीय चुनाव 2024 में यह तकनीकी प्रचार प्रसार अर्थात सोशल मीडिया की टेक इतनी बड़ी है कि आप अंदाजा नहीं लगा सकते ।

इन दिनों इसमें लाखों लोग होंगे और साथ-साथ लाखों रुपए का करोड़ों का एक वह बजट भी खर्च किया जा रहा है जोअदृश्य हो चुका है अर्थात सोशल मीडिया को चलाने के लिए सोशल मीडिया के पीछे कंटेंट तथा पार्टी के प्रचार प्रसार उनके सिंबल को बताने के लिए विरोधियों को चित करने के लिए किस तरह के स्लोगन इस सोशल मीडिया के द्वारा मेंस व्हाट्सएप मैसेज अर्थात अन्य माध्यम से भी किए जाने का जिस तरह का प्रचलन हो गया है उसने चुनाव की धारा ही बदल दी है ।

अब सोशल मीडिया डिजिटल तकनीक की नई सूचना प्रौद्योगिकी ने उम्मीदवारों का सीधा-सीधा कनेक्ट उस लोक से कर दिया है जिसे लोग अर्थात आम जनता कहा जाता है।

लोकतंत्र की सबसे बड़ी खूबी यही है कि उसमें लोगों का प्रतिनिधित्व सुप्रीम है अर्थात जनता जनार्दन ही अपनी वोट की ताकत से लोकतंत्र में फैसला करती है और उसे लोकतंत्र की धारा का एक शक्तिशाली माध्यम अभी भी सोशल मीडिया है।

उसने बड़ी रैलियां की अब एवं बड़े भाषणों की जगह पर सीधा कनेक्ट सोशल मीडिया से आपके मोबाइल से आपकी आंखों के सामने आपके घर परिवार अर्थात 140 करोड लोगों को इंटरनेट के संजाल के द्वारा पहुंच रहा है परंतु उसके बाद में भारतीय के ऐसा देश है जहां पर इसकी रैलियों में बड़े नेताओं बड़ी पार्टियों की रैलियों में हजार लाखों लोगों की भीड़ अभी भी देखी जा सकती है ।

इस तरह पूरे जनमानस को प्रभावित करने में लोक मध्याम मीडिया की अतिरिक्त भूमिका है क्योंकि उन रैलियां का सीधा प्रसारण टेलीविजन के जरिए अलग-अलग भाषाओं में देश डिस पूरा अर्थात भारतीय लोगों को आकर्षित करता है ।

इस समय यह सोशल मीडिया डिजिटल प्लेटफॉर्म की एक नई रीच है इस वर्ष के चुनाव में सोशल मीडिया साथ डिजिटल मीडिया एक प्रमुख शक्तिशाली हथियार बन चुका है और यह हथियार ऐसा है कि जो अब हर पार्टी हर उम्मीदवार इसको बदलने से आजमा रखा है ।

उदाहरण के तौर पर देखें तो सोशल मीडिया एक बेहद शक्तिशाली माध्यम है जिसको हर उम्मीदवार तथा पार्टी अपने-अपने ढंग से चलाना चाहती है हालांकि पिछले चुनाव दो चुनावों में जैसा मैंने पहले कहा कि एक दशक में सोशल मीडिया की आमद के साथ ही इसके वर्चस्व किया था और इस की शक्तिशाली पहुंच की बात शुरू हो गई थी।

प्रचण्ड समय

इस समय भी सच है कि 1997 के चुनाव में दुनिया का सबसे पहला सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म लॉन्च हुआ था तथा इसका नाम सिक्स 6 डिग्री था । इस प्लेटफार्म की एंट्री वेनरिच ने शुरुआत की थी जिसको सोशल मीडिया के प्रचार प्रसार का आज जनक हुआ माना जाता है ।

इन दिनों मीडिया रिपोर्ट की बात करें तो आप कह सकते हैं कि इन दिनों फेसबुक की पहुंच ने इसको और भी आसान बना दिया है तथा फेसबुक सोशल मीडिया की एक बड़ी नेटवर्किंग तथा समाज के प्रचार-प्रसार तथा कनेक्ट के लिए एक ऐसी साइड है जिनका मासिक रूप से तीन बिलियन से ज्यादा अधिक लोग पूरी दुनिया में प्रयोग करते हैं तथा इसका मतलब यह हुआ कि पूरी की पूरी दुनिया में 37 से 40% आबादी आज फेसबुक की यूजर है।

इस पर मीडिया तथा सर्वेक्षण की अन्य रिपोर्ट बताती है तथा मीडिया रिपोर्ट यह भी कहती है कि चीन दुनिया भर में सबसे अधिक लगभग 1.02 बिलियन सोशल मीडिया यूजर के साथ आगे है परंतु इसमें भारत भी कोई कम नहीं है ।

भारत में यह ग्रोथ 94% से भी ज्यादा ऑकी की गई है तथा 2030 तक 92 करोड़ आबादी सोशल मीडिया की रेंज में होगी और जब लगातार बढ़ रही है परंतु सोशल मीडिया आज चुनाव प्रचार के लिए सदुपयोग की बजाय दुरुपयोग में चिंता में बदल गया है क्योंकि इसके द्वारा भरोसे जाने वाले मेंस तथा हिटेरड अर्थात नफ़रत की भाषा एक बड़ा पश्चिमचल लेकर आपके सामने आई है पूरी दुनिया में आज कुछ जगह पर इंटरनेट को प्रतिबंधित करने की सवाल भी है विशेष कर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस ए आई तथा ओटीटी टिप्स प्लेटफार्म पर हो रहे प्रचार प्रचार तथा नेगेटिव के सामने उम्मीदवारों को तथा प्रचार प्रसार को जिस तरह की मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है वह अपने आप में अद्भुत है।

इस तरह के दुष्प्रचार जिसका कोई तोड़ निकल नहीं पा रहा है । भारत के साथ-साथ इस वर्ष में अमेरिका दक्षिण अफ्रीका ब्रिटेन ऑस्ट्रेलिया बेल्जियम कुरेशिया यूरोपीय संघ फिनलैंड घाना आइसलैंड लिथुआनिया नामीबिया मैक्सिको माल्दोवा मंगोलिया पनामा रोमानिया और सैनिक गर्ल्स के साथ-साथ अन्य दक्षिण एशियाई देशों में भी चुनाव की लहर बहर होनी है तथा उसके लिए सोशल मीडिया की पहुंच एक बड़ा हथियार है ।

यह मीडिया जिस तरह से चुनाव में भाग ले रहा है जिस तरह से लोगों को चुनाव के प्रति उत्साहित कर रहा है अर्थात वोट को वोटर की ताकत तथा उसकी अहमियत बता रहा है उसके प्रचार प्रसार के लिए अलग-अलग देशों के साथभारतीय चुनाव आयोग ने भी बेहद साफ सुथरा तथा बेहद तकनीकी पहलुओं से लैस इंतजाम भी किए हैं।

इस समय उसने अपने आइकन अर्थात पर्सनेलिटीज को इसके लिए प्रेरित करना जिसमें जिसमें अपनी-अपने वोट के प्रति कर्तव्यों के साथ कनेक्ट तथा उसकी जानकारी लेना लोगों को इलेक्शन की धाराओं के साथ बताना यह सबसे बड़ा काम है।

भारत इस समय इस तरह के बड़े चुनाव योजनाओं के लिए एक बड़ा देश माना जा रहा है । एक सर्वेक्षण में साइबर एक्सपर्ट शिप्रा सांखला के अनुसार सोशल मीडिया के इस तरह के उपयोग एवं सदुपयोग के अच्छे प्रमाण मिल रहे हैं तथा दुरुपयोग का खतरा भी सामने है क्योंकि भारत में जिस तरह से लोग इस मीडिया का उपयोग करते हैं ।

वह अपने आप में अद्भुत है जन गण मन तथा धरातल पर सोशल मीडिया के प्लेटफार्म पर जिन दलों के बीच आजकलएक और अर्थात प्रतियोगिता सी शक्ल सामने आ रही है परंतु इसका सबसे बड़ा फायदा यह है कि इस चुनाव में सोशलमीडिया की पहुंच तथा उसकी वोट के लिए ताकत को तथा उसके संदेश की अहमियत क्या है इसका भी एक सर्वेक्षण सामने आ रहा है ।

चुनाव के इस दौर में यह चुनावी रण जीतने के लिए भारत की तमाम पॉलिटिकल पार्टियों ने अपनी अपनी ताकत को झोंका हुआ है और सोशल मीडिया तथा विभिन्न प्लेटफार्म पर चुनाव की यह जंग जीतने के लिए जिस तरह से पैसा तथा मीडिया कंटेंट तथा सोशल मीडिया की पूरी की पूरी फौज को उतारा गया है ।

यह हर पार्टी का वार् रूम बता रहा है बहुत पहले यह समय था जब वार रूम युद्ध के लिए होते थे परंतु आजकल पॉलिटिकल पार्टियों के तथा सोशल मीडिया कंटेंट तथा नए मीम तथा स्लोगन करने वाले सोशल मीडिया के एक्सपर्ट के लिए अलग से साइबर रूम वार रूम प्रैक्टिकल प्रति घंटा रूम इत्यादि भी देखने को मिल रहे हैं यह अपने आप में इस चुनाव 2024 में एक ऐसी घटना है जो बाद में इतिहास में मीडिया के लिए एक स्टडी कैसे बन सकता है।

इस वक्त पुरी की पूरी मीडिया एक्सपर्ट टीमों के साथ-साथ इस देश में एक करोड़ से ज्यादा लोग सोशल मीडिया एक्सपर्ट की मदद कर रहे हैं तथा उन कंपनियों की चांदी हो रही है जो सोशल मीडिया पर इस चुनाव का प्रबंध तथा प्रचार प्रसार देख रहे हैं ।

चुनाव की दिशा खोल हुई नजर आ रही है परंतु यह भी सच है कि यह सवा करोड लोग जो 140 करोड लोगों के लिए सरकारों का तथा पॉलिटिकल पार्टियों का कंटेंट वायरल करते हुए सभी के सभी के बिहादत विवादित बयान तथा जिसतरह की भाषा को लेकर यह नारे गढ़े जा रहे हैं अभी बेहद चिंतित करने वाले हैं तथा सोशल मीडिया की यही एक सबसे बड़ी उसे तरह की घटना है जिसके लिए इसको उपयोगी नहीं कहा जा सकता ।

एक और पहलू सोशल मीडिया की लाइव कवरेज में किए जाने वाले राजनीतिक कार्टून तथा ग्राफिक्स के साथ-साथ रेल इंफोग्राफिक नीम के जरिए भी पारटियों का जमकर प्रचार प्रसार किया जा रहा है ।

एक रिपोर्ट बताती है जैसे राजस्थान पत्रिका ने प्रकाशित किया है कि सोशल मीडिया एक युटुब फेसबुक इंस्टाग्राम और व्हाट्सएप के लिए अलग-अलग प्रभारी बनाए गए हैं।

सोशल मीडिया विभाग के संयोजक जितना भी कहे परंतु यह सच है कि आज सोशल मीडिया की पहुंच उनको उसे तरह की भाषा के लिए मजबूर कर रही है जो भाषा शायद समाज के लिए अच्छी नहीं है ।

इसके साथ-साथ सोशल मीडिया इस चुनाव के लिए मीडिया तथा सोशल मीडिया इन्फ्लुएंस को भी जोड़कर एक नया रिसर्च तथा एक नया नॉरेटिव बना रहे हैं तथा इनफ्लुएंसर ट्विटर फेसबुक पर ज्यादा प्रभाव रखते हैं तथा उनके दर्शक उनके फॉलोअर्स करोड़ों में है ।

इस समय अकेले प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के फॉलोअर्स की दुनिया भर में सबसे ज्यादा है इसी तरह दूसरी राजनीतिक पार्टियों जो भारतीय चुनाव में हिस्सा ले रहे हैं उनके नेताओं के फॉलोअर्स को जोड़कर देखा जाए तो यह एक अद्भुत घटना है जो सोशल मीडिया के दम पर ही लड़ी जा रही है । यहां पर जो भी सच है कि इस चुनाव के लिए सोशल मीडिया की अलग-अलग टीमें तथा एक बड़ा बजट सुरक्षित सभी राजनीतिक पारटियों के लिए रखा गया है । इन दिनों हर पार्टी का आईटी सेल इन सीटों को जीतने के लिए तथा सोशल नेटवर्किंग जिसमें फेसबुक व्हाट्सएप इंस्टाग्राम पॉडकास्ट तक की सुविधा है । साइट एक नेटवर्किंग साइट एक और यूट्यूब पर प्रचार प्रसार कर रहे हैं यह पहले कभी नहीं था इसके लिए हजारों करोड़ों का बजट तथा पानी की तरह पैसा बकाया जा रहा क्योंकि इसका सीधा असर नई पीढ़ी तथा नए युवा वोटरों पर है तथा कोई भी पार्टी इस चुनावी महाकुंभ में इसको छोड़ने और इसको बनाना दोनों तरह के प्रभावों से छोड़ना नहीं चाहती ।

इन दोनों राजनीतिक दल आईटी सेल तथा पार्टियों की नीतियों पर सोशल मीडिया के भिन्न प्लेटफार्म पर अप्लाई जा रही फेक न्यूज़ की की भी जानकारी के लिए फैक्ट चेक की सुविधा है तथा इसके अलावा पार्टी के बड़े नेताओं तथा वीडियो कंटेंट और संदेश भी सोशल मीडिया पर लगातार प्रसारित किया जा रहे हैं तथा यह सोशल मीडिया की पहुंच तथा इस चुनाव में सबसे बड़ी घटना यह है कि लाखों करोड़ों रुपए जिस तरह से सोशल मीडिया आईटी सेल के प्रचार प्रसार केलिए इस डिजिटल प्लेटफॉर्म पर लोगों से अर्थात युवा लोगों से सीधा रास्ता सीधा संपर्क काम करने के लिए खर्च जा रहे हैं ।

यह अद्भुत है तथा यह आने वाले दिनों में यह भी दिखता है कि जिस तरह से आईटी तथा सोशल मीडिया का प्रचार प्रसार बढ़ेगा उसे तरह से खर्च भी बढ़ेंगे तथा भारतीय चुनाव आयोग को भी इस साइबर क्रांति के आगे उसे तरह के प्रबंधकरने पड़ेंगे की यह लोगों का नॉरेटिव नफरत की भाषा तथा उसे निम्न स्तर तक ना ले जाए जिसको आज हम देख रहे हैं ।

दुनिया भर में अर्थात पश्चिम में अमेरिका जैसे लोकतांत्रिक देशों में चुनाव हो रहे हैं और लगता है कि भारत भी उसी तरह महंगे चुनाव की ओर बढ़ रहा है क्योंकि यह पैसे का खेल है यह कंटेंट के लिए एक पूरी एक्सपर्ट्स की तकनीकी आदमियों

की पूरी टीम बिताई जाती है जैसे आप पॉलिटिकल चुनाव वार्ड रूम का नाम आजकल देख रहे हो ।

अखबारों में बड़े स्तर विज्ञापन एक अन्य है जिस पर बाद में सोचा जा सकता है परंतु आज सोशल मीडिया की इस भूमिका के आगे 140 करोड लोगों का वोट का हक किस तरह से वह प्रभावित कर रहा है ।

इन दिनों यह अपने आप में एक सवाल है परंतु सच यह है कि इस तकनीक का अर्थात सोशल मीडिया की पहुंच का सीधा सीधा फायदा सभी प्रैक्टिकल पार्टियों को हो रहा है तथा यह आम जन तक आम भाषा में आम ग्राफिक्स मेंस तथा अन्य संदेशों से अपना संदेश बन जाने का एक त्वरित संप्रेषण तरीका है जो नई तकनीक तथा टेक्नोलॉजी के कारण है चुनाव के लिए यह चुनाव मीडिया के लिए एक नया तकनीकी कम तथा इंकलाबी कम होंगे जब तकनीक के द्वारा मतदाता को प्रभावित करने का सबसे बड़ा कार्य दुनिया के इस बड़े लोकतंत्र में चुनाव 2024 में देखने को मिल रहा है और यही सोशल मीडिया की सबसे बड़ी ताकत है जो हम आज देख रहे हैं ।

इस लेख के लेखक प्रसिद्ध साहित्यकार एवं मीडिया विशेषज्ञ हैं उन्हें इस लेख पर आप अपनी प्रतिक्रिया 94787 30156 पर दे सकते हैं।

पर्यटकों का स्वर्ग कहा जाने वाला देश कैसे बना माफ़िया का गढ़

तीस साल के पॉल काफ़ी कमज़ोर दिखते हैं। वे कहते हैं, 'फ़िलहाल हालात काफ़ी ख़तरनाक हैं। मौत कहीं से भी आ सकती है। पॉल को लगता है कि वो दूसरी गैंग की हिटलिस्ट में हैं और वो अब तक ज़िंदा सिर्फ़ अपनी माँ की दुआओं की वजह से हैं।

वे कहते हैं, 'ऐसा लगता है कि ईश्वर मुझे नहीं बुलाना चाहता और शैतान मुझे छूना नहीं चाहता।'

पॉल इस शख़्स का असली नाम नहीं है। उनकी पहचान गुप्त रखने के लिए हमने उन्हें ये नाम दिया है। पॉल 15 साल के थे जब उन्होंने गैंग जॉइन की थी। अब वो 30 के हैं। उन्हें लगता था कि गैंग में शामिल होने के बाद ज़िंदगी में बस मौज मस्ती होगी।

पॉल से हम ये बातचीत इक्वाडोर के सबसे बड़े शहर गुआक़िल में कर रहे हैं। इस शहर में 20 गैंग सक्रिय हैं और अपनी धाक जमाने के लिए आए दिन गोलीबारी होती रहती है।

पॉल को लगता है कि अगर हम एक स्थान पर रुककर बात करते हैं तो उनके दुश्मन उन्हें निशाना बना सकते हैं। इसलिए उन्हीं की सलाह पर हम शहर में घूमते हुए पॉल का इंटरव्यू कर रहे थे।

वे कहते हैं, "मुझे सम्मान चाहिए था।"

लेकिन पॉल और उनकी गैंग ने इक्वाडोर में फैली हिंसा में अहम भूमिका निभाई है। ये लातिनी अमेरिकी का सबसे सुरक्षित देश हुआ करता था। इस देश में घने जंगल हैं और गालापागोस जैसे दिलकश द्वीप भी हैं। लेकिन बीते पाँच वर्षों में देश के हालात बद से बदतर होते गए हैं।

साल 2023 में इक्वाडोर में 8,000 मर्डर हुए हैं। ये आंकड़ा 2018 के मुक़ाबले आठ गुना अधिक है। ये संख्या मेक्सिको और कोलंबिया जैसे देशों से भी अधिक है।

इसी साल जनवरी में इक्वाडोर सारी दुनिया में छा गया था। कुछ बंदूकधारी एक लाइव शो के दौरान एक टीवी स्टेशन में घुस गए थे।

ठीक उसी समय देश के कई हिस्सों से धमाकों और जेलों में दंगों की ख़बरें आनी शुरू हो गई थीं। साथ ही कई लोगों को किडनैप करने की भी ख़बरें आ रही थीं।

सिर्फ़ दो महीने पहले राष्ट्रपति बने नोबोआ ने इसके बाद देश में आपातकाल की घोषणा कर दी थी। उनके निशाने पर ड्रग्स की स्मगलिंग करने वाले अपराधी थे।

आपातकाल की घोषणा करते हुए नोबोओ ने कहा था, "ये नार्को-टेररिस्ट हमें डराना चाहते हैं और उन्हें लगता है कि हम डरकर उनकी माँगें मान लेंगे।"

तब से इक्वाडोर में 16 हज़ार लोगों को गिरफ़्तार किया जा चुका है।

आठ अप्रैल को आपातकाल ख़त्म हो गया है। लेकिन राष्ट्रपति ने कहा है कि देश की सुरक्षा के मद्देनज़र सेना को कई विशेष अधिकार दिए गए हैं।

राष्ट्रपति नोबोआ अपराधियों के लिए सख़्त सज़ाओं वाले कानून बनाना चाहते हैं। साथ ही वो हथियार रखने के कानूनों में भी बदलाव करना चाहते हैं।

ये सब प्रस्ताव 21 अप्रैल को होने वाले जनमत संग्रह का हिस्सा हैं।

सड़क पर आने का ख़ौफ़

गैंगवार ने लोगों की आम ज़िंदगी को अस्त-व्यस्त कर दिया है। लोग घरों से बाहर निकलने से डरते हैं। किडनैपिंग और फ़िरौती आम बात है।

हमने ऐसे कई लोगों से बात की जिन्होंने साफ़ कहा कि वे अब बाहर जाने से डरते हैं, विशेषकर रात के वक्त। सरकार ने क्विटो और गुआक़िल समेत कई शहरों में रात का कर्फ़्यू लगा रखा है।

देश की राजधानी क्विटो में गेबिरियाला अल्मेडा नाम की एक डॉक्टर ने हमें बताया, "मैं हर रोज़ ऐसे मरीज़ों से मिल रही हूं जो भारी मानसिक दबाव में हैं।"

अल्मेडा ऐसी जगह रहती हैं जहां एक बड़ा गेट लगा हुआ है ताकि कोई कॉलोनी में प्रवेश न कर सके। उन्होंने अपने क्लिनिक का रूटीन भी बदला है और वे रात को बाहर जाने से बचती हैं।

जब वो घर से बाहर जाती हैं तो तब तक सड़क पर नहीं जातीं जब तक टैक्सी वाला आ न जाए। और टैक्सी में बैठने के बाद वे तुरंत अपने परिजनों के साथ लोकेशन शेयर करती हैं।

अल्मेडा कहती हैं, "हाल ही में यहां एक अपहरण हुआ था। यहां पास ही। जब मैं छोटी थी तो सोचती थी कि कोलंबिया में इतनी हिंसा क्यों होती है। कभी नहीं सोचा था कि हमारे देश का हाल एक दिन ऐसा भी होगा। अब तो बसों में आपका बटुआ चुराया जा सकता है। लेकिन मुझे मौत का डर नहीं है। हां, हम एक भयानक दुस्वपन के दौर में जी रहे हैं।"

एक बच्चे की मां अल्मेडा स्पेन में बसने के बारे गंभीरता से विचार कर रही हैं। वो कहती हैं, "मैं अपने बेटे को ऐसी जगह ले जाना चाहती हूँ जहाँ हिंसा और अपहरण के डर के बिना बेख़ौफ़ घूम सके।"

इक्वाडोरः ड्रग्स के धंधे का केंद्र

जैसा कि इक्वाडोर के राष्ट्रपति का आकलन है, समस्या की जड़ में ड्रग्स का धंधा है।

पॉल की कहानी से भी यही बात समझ आती है। पॉल ने बताया कि जब उन्होंने गैंग जॉइन की थी तो वे अपने इलाक़े में गांजा और कोकेन बेचते थे।

संयुक्त राष्ट्र के मुताबिक़, तब से लेकर अब तक दुनिया भर में कोकेन का उत्पादन और खपत रिकॉर्ड स्तर पर पहुँच चुकी है। साल 2020 और 2021 के बीच में ही कोकेन का उत्पादन तीन गुना बढ़ गया है। मेक्सिको, कोलंबिया और अल्बानिया के गैंग अब ड्रग्स के धंधे के लिए नई जगहों की तलाश में हैं। इक्वाडोर इन लोगों के लिए एक माकूल जगह साबित हुई है क्योंकि इसकी सरहदें दुनिया के दो सबसे बड़े कोकेन उत्पादक देशों से मिलती हैं। ये दो देश हैं - कोलंबिया और पेरू।

इसका नतीजा ये हुआ कि इक्वाडोर एक ऐसे ग्लोबल डिस्ट्रिब्यूशन हब के रूप में बदल चुका है जहां ड्रग्स स्टोर किए जाते हैं और जिसका इस्तेमाल ट्रांज़िट प्वॉयंट के रूप में होता है जहां से उन्हें शिपिंग कंटेनरों के ज़रिए दूसरे देशों में उनके अंतिम ठिकानों पर भेजा जाता है। गैंग्स इस प्रक्रिया में अहम भूमिका निभाते हैं।

पॉल ने हमें बताया कि वो पहले ड्रग्स की छोटी मात्रा से अपना धंधा चलाते थे लेकिन बाद में उन्होंने किलो की मात्रा में कोकेन की तस्करी शुरू कर दी थी।

उन्होंने बताया कि नई भूमिका में वो दूसरे प्रोडक्ट्स के साथ अवैध ड्रग्स को छिपाकर कंटेनरों में रखवाते थे।

इक्वाडोर से होने वाले निर्यात की तीन चौथाई से भी अधिक चीज़ें गुआक़िल बंदरगाह से ही रवाना होती हैं। प्रशांत महासागर के तट पर बने इस बंदरगाह से केले और झींगे का मुख्य रूप से निर्यात होता है।

लेकिन इक्वाडोर के कोस्ट गार्ड ने हमारे सामने तस्वीर का दूसरा पहलू रखा। वो कहते हैं कि इक्वाडोर से होने वाली ड्रग्स तस्करी का 90 फ़ीसदी इसी बंदरगाह के इन्हीं कंटेनरों से निकाला जाता है।

इक्वाडोर में जब से आंतरिक सशस्त्र संघर्ष की घोषणा हुई है, कोस्ट गार्ड ने अपनी गश्त बढ़ा दी है।

कोस्ट गार्ड की टीम जब बंदरगाह के आस-पास के इलाकों में गश्त कर रही थी तो हम उनकी टीम में शामिल हो गए।

उनके एक कमांडर ने हमें बताया, "अतीत में हम आम अपराधियों से निपटते थे। लेकिन अब हमारा वास्ता जिन लोगों से पड़ता है, उनमें से किसी के पास भी भारी-भरकम हथियार हो सकते हैं।"

गैंग्स से ख़तरे की आशंका के मद्देनज़र वे नहीं चाहते थे कि उनका नाम ज़ाहिर किया जाए। उन्होंने अपना चेहरा छुपाने के लिए काले रंग का मास्क पहना हुआ था।

उनकी हथियारबंद टीम दिन में चार बार गश्त करती है। वे स्पीड बोटों में सवार अपराधियों की तलाश करते हैं, ऐसे अपराधियों की तलाश जो बड़े जहाजों पर रखे कंटेनरों में ड्रग्स छुपाने की कोशिश कर रहे हों। लेकिन भ्रष्टाचार की समस्या ने उनके काम को मुश्किल बना दिया है।

पॉल बताते हैं कि बंदरगाह पर तैनात किसी व्यक्ति को अगर सही क़ीमत दी जाए तो वो सिक्योरिटी कैमरों का रुख मोड़ देता है कि ताकि उनकी नज़र में अवैध गतिविधियों को अंजाम देता कोई अपराधी न आ जाए।

कोस्ट गार्ड के वो कमांडर बताते हैं, "सिस्टम में बहुत से लोग करप्ट हैं। कभी-कभी मैं पोर्ट के भीतर सिक्योरिटी चेक प्वॉयंट्स पर ये कह सकता हूं कि कंटेनर के साथ छेड़खानी की गई है लेकिन सच तो ये है कि उनमें से ज़्यादातर के साथ पहले ही छेड़खानी हो गई होती है।"

'हर कोई अपना इलाका चाहता है।।।'

पॉल के लिए अधिक तस्करी का मतलब 'ज़्यादा पैसा, बेहतर हथियार' है। साल 2020 के बाद इक्वाडोर पुलिस द्वारा ज़ब्त किए गए हथियार 58 फ़ीसदी तक बढ़ गए हैं।

पुलिस का कहना है कि वो इसे यूं देखते हैं कि ज़ब्ती बढ़ने का मतलब देश में हथियारों का सर्कुलेशन बढ़ना है। सड़कों पर आपराधिक गिरोहों के बीच तनाव बढ़ने के साथ-साथ जेल की चहारदीवारी के भीतर भी हिंसक झड़पें जानलेवा होने की हद तक बढ़ी हैं।

पॉल बताते हैं, "हर कोई अपना इलाका चाहता है। अपराधियों को ड्रग्स बेचने के लिए इलाका चाहिए, स्मगलिंग के लिए इलाका चाहिए और यहां तक कि अवैध वसूली और अपहरण के लिए भी इलाका चाहिए।"

हमने पॉल से ये पूछा कि वो गैंग क्यों नहीं छोड़ देते हैं? इस पर पॉल का जवाब था कि वो जब से छिपकर रह रहे हैं, तब से आपराधिक गतिविधियों से उनकी दूरी बढ़ गई है।

लेकिन पॉल का ये भी कहना है कि उन्हें तलाश रहे लोग 'हर जगह पर' मौजूद हैं।

पॉल का कहना है कि वे अपने गैंग के लोगों से अभी तक संपर्क में हैं ताकि उन्हें सुरक्षा के लिए ज़रूरत पड़ने पर मदद मिलती रहे। वे चाहते तो पुलिस के सामने सरेंडर कर सकते थे लेकिन उनका दावा है कि गैंग छोड़ने का एक ही तरीका है कि देश छोड़ना होगा क्योंकि गैंग के लोग जेलों में भी सक्रिय हैं।

हमने उनसे ज़ोर देकर पूछा कि अपराध की दुनिया में उनकी संलिप्तता किस तरह की थी? इस सवाल पर पॉल ने हिचकिचाते हुए कबूल किया कि उन्होंने लोगों की जान ली है लेकिन ये भी कहा कि लोगों के घर बर्बाद करने का उन्हें अफ़सोस है। "लोगों की जान लेने का मुझे दुख होता है। मैं कसम खाकर कहता हूं कि जिन लोगों को मैंने नुक़सान पहुंचाया है, मुझे उसका पछतावा है।"

इंसाफ़ के लिए लड़ाई

जब हमने ये सारे मुद्दे सरकार के सामने रखे तो हमें बताया गया कि हिंसा से होने वाली मौत के मामलों में 'उल्लेखनीय कमी' आई है, जेलों में 'संगठित गिरोहों की ताक़त को ख़त्म कर दिया गया' है, भ्रष्टाचार के मामलों की जांच की गई है और वो 'माफ़िया' के ख़िलाफ़ जीत रही है।

जहां सरकार एक तरफ़ इन गैंग्स से निपटने की कोशिश कर रही है तो दूसरी ओर इन अपराधियों को इंसाफ़ के कटघरे में खड़ा करने की जिम्मेदारी उठा रहे लोग अब खुद निशाना बन रहे हैं।

हालात की गंभीरता का अंदाज़ा इस बात से लगाया जा सकता है कि पिछले दो साल में छह सरकारी वकील मारे जा चुके हैं।

इन्हीं में से एक सीज़र सुआरेज़ भी थे। वे टीवी स्टेशन अटैक केस और भ्रष्टाचार के बड़े मामले 'मेस्टास्टासिस केस' की जांच का नेतृत्व कर रहे थे। जनवरी के महीने में गुआक़िल उनकी गोली मारकर हत्या कर दी गई।

उनकी सहकर्मी और सरकारी वकील मिशेल लूना कहती हैं, "वे एक खुशमिज़ाज शख़्स थे। एक अच्छे आदमी। वे अपने काम से प्यार करते थे।"

लूना बताती हैं कि जब वो छह साल की थीं तो उनके पिता धोखाधड़ी का शिकार हो गए थे। वो कहती हैं, "उस उम्र से ही मैं ये समझ गई थी कि अन्याय का असली मतलब क्या होता है।"

"जब मैं बड़ी हुई तो मैंने खुद से ये वादा किया कि मैं इसके ख़िलाफ़ जंग लड़ूंगी।"

हालांकि अब उन्हें अपनी जान का डर भी सताता है और वे करियर का रास्ता बदलने के बारे में भी सोच रही हैं। वो कहती हैं, "अगर हमें हमारी सुरक्षा की कोई गारंटी नहीं मिलेगी तो मैं इस्तीफ़ा दे दूंगी।"

लूना और उनके सहकर्मी चाहते हैं कि लोक अभियोजकों की पहचान गुप्त रखी जाए और उनके मुक़दमों की सुनवाई वर्चुअल तरीके से हो ताकि वे उन्हीं अदालतों में अपराधियों के साथ जाने के जोख़िम से बच सकें।

अटॉर्नी जनरल डायना सालाज़ार भी 'मेस्टास्टासिस केस' में ही तस्करों और सरकारी महकमों के बीच की कड़ी की जांच कर रही हैं। उन्हें भी धमकियां मिलती रही हैं। उन्होंने पुलिस और सेना से और मदद मांगी है।

लेकिन संसाधनों की कमी भी एक मुद्दा है। मिशेल लूना पूछती हैं, "एक सरकारी वकील के लिए ये कैसे मुमकिन हैं कि पांच हज़ार मुक़दमों से निपटने के लिए उसे केवल दो लोग मदद के लिए दिए जाएं?"

हालांकि लूना को निजी तौर पर कोई धमकी नहीं मिली है लेकिन उन्हें ये फिक्र है कि ऐसा कभी भी हो सकता है। उन्हें डर है कि इक्वाडोर के हिंसक गिरोहों से निपटने की जो भी कोशिश करता है वो संगठित अपराध का टारगेट बन जाता है।

- साभार, बीबीसी

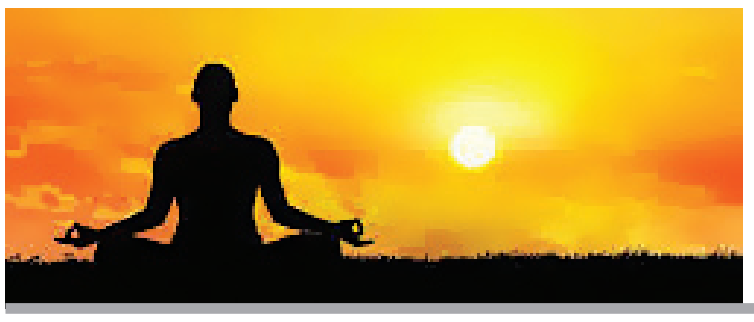

कल मनाई जाएगी चैत्र विनायक चतुर्थी, जानिए शुभ मुहूर्त और पूजा विधि

हिंदू धर्म में विनायक चतुर्थी के पर्व का बहुत महत्व माना जाता है। विनायक चतुर्थी का पर्व प्रथम पूजनीय भगवान गणेश को समर्पित है। प्रत्येक महीने के कृष्ण पक्ष और शुक्ल पक्ष की चतुर्थी के दिन भगवान गणेश की विशेष कृपा पाने के लिए उनकी पूजा की जाती और व्रत रखा जाता है।

मान्यता के अनुसार, विनायक चतुर्थी के दिन भगवान गणेश की पूजा करने से साधक के जीवन में गणेश जी की कृपा बरसती है जिसके परिणाम स्वरूप साधक के जीवन में सुख, शांति आती है और साधक को सभी प्रकार के कष्टों और संकटों से छुटकारा मिल जाता है। आइए जानते हैं अप्रैल महीने में विनायक चतुर्थी किस दिन है और पूजा का शुभ मुहूर्त क्या है।

कब है विनायक चतुर्थी 2024

चैत्र महीने की शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि की शुरुआत 11 अप्रैल की दोपहर 3 बजकर 3 मिनट पर हो रही है और इसका समापन 12 अप्रैल की दोपहर 1 बजकर 11 मिनट पर होगा। ऐसे में उदया तिथि के अनुसार, विनायक चतुर्थी का पर्व इस बार 12 अप्रैल, शुक्रवार के दिन मनाया जायेगा।

विनायक चतुर्थी 2024 पूजा मुहूर्त

पंचांग के अनुसार, विनायक चतुर्थी के दिन 12 अप्रैल को भगवान गणेश की पूजा का शुभ मुहूर्त सुबह 11 बजकर 5 मिनट से दोपहर के 1 बजकर 11 मिनट तक रहेगा। इसलिए गणेश जी की पूजा के लिए 2 घंटे से अधिक समय साधक भक्तों के पास होगा।

विनायक चतुर्थी 2024 चंद्रोदय समय

12 अप्रैल को विनायक चतुर्थी के दिन चंद्रोदय सुबह 8 बजकर 19 मिनट पर होगा और चंद्रास्त रात 11:00 बजे होगा। इस दौरान चंद्रमा को नहीं देखा जाता है, क्योंकि विनायक चतुर्थी के व्रत में चंद्रमा के दर्शन करना वर्जित माना जाता है।

विनायक चतुर्थी पूजा विधि जानें

विनायक चतुर्थी के दिन सूर्योदय से पहले उठना चाहिए और दिन की शुरुआत देवी- देवता के स्मरण और उनको प्रणाम करने के साथ करनी चाहिए। इसके बाद घर की साफ सफाई करके स्नान करें और साफ वस्त्र धारण करें। अब पूजा स्थल या घर के मंदिर की अच्छे से साफ सफाई करें, चाहें तो गंगाजल छिड़ककर भी मंदिर को शुद्ध कर सकते हैं। अब एक चौकी पर पीला या लाल साफ कपड़ा बिछाकर गणेश जी की मूर्ति या तस्वीर स्थापित करें।

इसके बाद गणेश जी की प्रतिमा के सामने घी का दीपक और धूप जलाएं और रोली, चावल से तिलक करें। अब फूल या पुष्प माला अर्पित करें। भोग के लिए फल और मिठाई अर्पित करें गणेश जी को मोदक और दूर्वा घास बेहद प्रिय हैं, इसलिए उनकी कृपा पाने के लिए विनायक चतुर्थी के दिन मोदक या लड्डू का भोग जरूर लगाएं।

इसके बाद आरती करें। पूजा के अंत में गणेश जी कृपा, सुख, समृद्धि और धन वृद्धि के लिए गणेश जी से प्रार्थना करें और भोग लगाकर प्रसाद का वितरण करें। विनायक चतुर्थी की पूजा के दौरान मंत्रों का जाप और गणेश चालीसा का पाठ करना भी शुभ फलदायी माना जाता है।

कार्तिक महीने के अलावा चैत में क्यों मनाया जाता है छठ... दोनों में कितना है अंतर?

लोकआस्था का महापर्व छठ की शुरुआत शुक्रवार 12 अप्रैल से हो रही है। शुक्रवार को पहले दिन नहाय खाय के साथ छठ पर्व की शुरुआत होगी। चैत्र महीने में मनाए जाने की वजह से इसे चैती छठ पर्व के नाम से जाना जाता है। बिहार, उत्तरप्रदेश और देश के अन्य हिस्सों में साल में दो बार छठ पर्व मनाया जाता है। एक बार छठ कार्तिक माह में दीपावली के छह दिन बाद और दूसरी बार चैत माह में मनाया जाता है।

कार्तिक माह के छठ के बारे में सभी लोग जानते हैं लेकिन उसकी अपेक्षा चैत माह की छठ के बारे में कम चर्चा होती है। जबकि चैती छठ की महिमा कार्तिक छठ से कहीं कम नहीं है। कार्तिक छठ का महत्व तो और बढ़ जाता है क्योंकि यह चैत नवरात्रि के दिनों में मनाया जाता है।

बहुत कठिन है चैती छठ की साधना

छठ पर्व को महापर्व कहा जाता है क्योंकि इसमें किया जाने वाला साधना बहुत कठिन है। वर्ती इस पर्व के दौरान 36 घंटे तक निर्जला उपवास रखती हैं। चैत छठ भी ठीक इसी विधि से की जाती है लेकिन इस पर्व में किया जाने वाला साधना और कठिन है क्योंकि चैत माह में भीषण गर्मी रहती है। पारा चालीस के पास पहुंच जाता है। वैसे में दो तीन घंटे तक बिना पानी के रहना मुश्किल है वहां व्रती 36 घंटे तक बिना जल के रहती हैं।

प्रचण्ड समय

कार्तिक छठ और चैत छठ में क्या अंतर है

कार्तिक छठ और चैती छठ भले ही साल के अलग-अलग महीनों में मनाए जाते हैं लेकिन इसके मनाने की विधि एक ही है। इस पर्व में भी नहाय खाय, खरना पूजा और फिर 36 घंटों का निर्जला उपवास कर अस्ताचलगामी और उदयमान सूर्य को अर्घ्य देकर व्रत पूरा किया जाता है। चैती छठ के मनाने के पीछे की मान्यता अलग जरूर है। प्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य पंडित मार्कण्डेय दुबे चैती छठ की महिमा बताते हैं- चैत्र नवरात्रि के पहले दिन को सृष्टि का प्रथम दिन कहा जाता है। मान्यता है कि इसी दिन ब्रह्मा जी ने सृष्टि का निर्माण पूरा किय था। जब उन्होंने संसार का निर्माण किया था तब यहां बहुत अंधेरा था। हर तरह जल ही जल था। इसी जल में योगमाया के बंधन में बंधे श्रीहरि शयन कर रहे थे।

चैती छठ में सूर्य के साथ देवसेना की पूजा

ब्रह्मा जी ने ब्रह्मांड निर्माण के छठे दिन सौरमंडल का निर्माण किया। श्रीहरि के नेत्र खुलते ही सूर्य और चंद्रमा बना। तब योगमाया ने ब्रह्मा जी ब्राह्मी शक्ति से जन्म लिया। इस शक्ति का नाम देवसेना पड़ा। देवसेना को सूर्य की पहली किरण कहा जाता है। सूर्य देव और देवसेना आपस में भाई-बहन हैं। संसार को प्रकाश की शक्ति छठवें दिन मिली। इसीलिए सूर्य देव और उनकी बहन देवसेना की पूजा छठवे दिन की जाती है। जिसे छठ व्रत कहा जाता है।

माता के नौ रूप स्त्री की इन नौ अवस्थाओं के हैं प्रतीक, जानें कौन सा रूप क्या दर्शाता है

नवरात्रि के दौरान भक्त माता दुर्गा के नौ रूपों की विधि-विधान से पूजा करते हैं। पहले दिन माता के रूप शैलपुत्री की पूजा के साथ नवरात्रि की शुरुआत होती है और नवरात्रि के अंतिम दिन सिद्धिदात्री रूप की पूजा के साथ नवरात्रि समाप्त होती है। मान्यताओं के अनुसार, माता के नौ रूप स्त्री के जन्म से लेकर वृद्धावस्था तक की अवस्थाओं का प्रतीक हैं। आज हम आपको इसी विषय में विस्तार से जानकारी देंगे।

शैलपुत्री

माता शैलपुत्री स्त्री के बाल रूप का प्रतीक मानी गयी हैं। जैसे शैलपुत्री अपने पिता 'शैल' यानि पर्वतराज हिमालय के नाम से जानी जाती हैं वैसे ही बाल रूप में स्त्री भी अपने पिता के नाम से जानी जाती है। अर्थात माता का ये रूप नवजात बालिका का प्रतीक है।

ब्रह्मचारिणी

माता का दूसरा रूप है ब्रह्मचारिणी, पुत्री के ब्रह्मचर्य काल को दर्शाता है साथ ही इसी दौरान बालिका शिक्षा अर्जित करती है और अपने ज्ञान में वृद्धि करती है। यानि माता का यह रूप शिक्षा अर्जित करने वाली बालिका का प्रतीक है।

चंद्रघंटा

माता का यह स्वरूप शिक्षित और ज्ञान से परिपूर्ण स्त्री या बालिका का प्रतीक है। माता के इस रूप की दस भुजाएं दर्शाती हैं की स्त्री अब अपने ज्ञान से समाज में स्थिरता और विकास के लिए तैयार है।

कुष्मांडा

माता दुर्गा का चौथा रूप कुष्मांडा माता का है। इस रूप

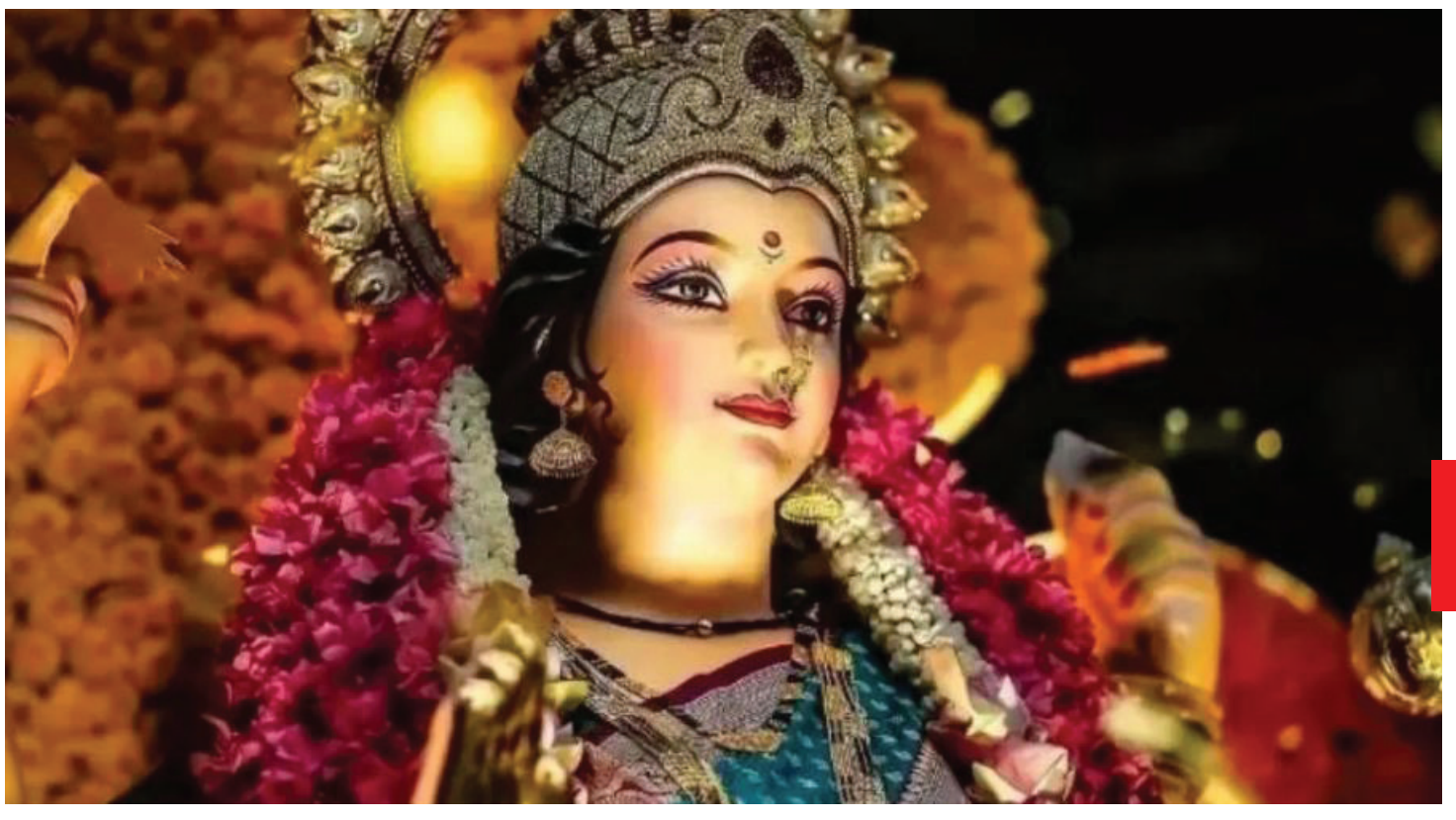

में माता के हाथ में एक घड़ा होता है जिसे गर्भ का प्रतीक माना जाता है। यानि माता का ये रूप गर्भवती महिला का प्रतीक है।

स्कंदमाता

यह स्वरूप महिला के मातृ स्वरूप को दर्शाता है। स्कंदमाता की गोद में एक शिशु को दर्शाती कई तस्वीरों को आपने देखा होगा।

कात्यायनी

जैसे माता कात्यायनी ने महिषासुर का वध किया था, वैसे ही माता का यह रूप स्त्री के उस स्वरूप को दर्शाता है जिसमें माता बनी स्त्री सभी बुराइयों को अपने बच्चे से दूर रखती है और अवगुणों को उसके अंदर घर नहीं करने देती।

कालरात्रि

माता के इस रूप को अत्यंत उग्र और शक्तिशाली माना जाता है। यह रूप स्त्री के पारिवारिक जीवन में आ रहे संघर्षों पर विजय का प्रतीक माना गया है।

महागौरी

प्रचण्ड समय

माता का यह रूप स्त्री की परिपक्वता और स्थिरता को दर्शाता है। जीवन के सभी संघर्षों पर विजय पाकर स्त्री संपन्नता की ओर अपने परिवार को ले जाती है। इसलिए नवरात्रि में अष्टमी की पूजा का बड़ा महत्व है। अष्टमी की पूजा करने से घर में संपन्नता आती है।

सिद्धिदात्री

माता का यह रूप स्त्री के वृद्ध और ज्ञानमय स्वरूप का प्रतीक है। अपने अनुभव और समझदारी से स्त्री इस रूप में अपने परिवार के साथ ही समाज का भी कल्याण करती है और नई पीढ़ियों को अच्छे गुण देकर जाती है।

न्यूज ब्रीफ..

हमीरपुर के तीनों न्यायिक परिसरों में 11 मई को लगेगी लोक अदालतें

प्रचण्ड समय

हमीरपुर . लंबित मामलों के त्वरित निपटारे के लिए 11 मई को जिला हमीरपुर के तीनों न्यायिक परिसरों हमीरपुर, बड़सर और नादौन में राष्ट्रीय लोक अदालत लगाई जाएगी।

जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण के सचिव अनीष कुमार ने बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत में विभिन्न मामलों का निपटारा आपसी समझौतों के आधार पर किया जाएगा। इस दौरान आपराधिक कंपाउंडेबल अपराध, एनआई एक्ट के मामले, धन वसूली के मामले और भूमि विवाद आदि पर सुनवाई करके निपटारा किया जाएगा। इसके अतिरिक्त सड़क दुर्घटना क्लेम के मामले, मोटर व्हीकल अधिनियम, श्रम विवाद के मामले, बिजली, पानी और टेलीफोन के बिल, वैवाहिक विवाद, भूमि अधिग्रहण के मामले, वेतन-भत्तों और सेवानिवृत्ति से संबंधित मामलों का भी निपटारा किया जाएगा।

अनीष कुमार ने बताया कि जो मामले न्यायालय में अब तक दायर नहीं हुए हैं, उनका निपटारा भी लोक अदालत में किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि अगर कोई व्यक्ति अपने मामलों का निपटारा करवाना चाहता है तो वह 11 मई से पहले संबंधित अदालत में सादे कागज पर आवेदन कर सकता है। अनीष कुमार ने बताया कि उपरोक्त मामलों में संबंधित पक्ष राष्ट्रीय लोक अदालत की तारीख से पहले भी आपसी समझौता कर सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए दूरभाष नंबर 01972-224399 पर संपर्क किया जा सकता है।

बद्दी,मानपुरा और रामशहर थाना के तहत पकड़ी 151 देशी शराब की बोतलें

प्रचण्ड समय

बी.बी.एन. . जिला पुलिस बद्दी के तहत रामशहर,बद्दी और मानपुरा थानों के तहत पुलिस ने अवैध शराब बरामद कर आबकारी अधिनियम के तहत मामले दर्ज किए।मिली जानकारी के अनुसार थाना बद्दी के तहत गश्त के दौरान सूचना मिली कि भूड़ में एक व्यक्ति अपने मकान में शराब पिलाने और बेचने का काम करता है। इस पर पुलिस ने रेड करके अनिल कुमार स्पुत्र रामलोक दासोमाजरा निवासी से 132 बोतले देशी शराब संतरा पटियाला मार्का हिमाचल में सेल करने वाली अवैध बरामद की।बद्दी पुलिस ने हिमाचल प्रदेश आंबकारी अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर करवाई शुरू की।

इसी तरह थाना रामशहर के अंतर्गत पुलिस को गस्त के दौरान सूचना मिली कि दुर्गा माता मंदिर के पास मितिया में चाय की दुकान के अंदर 12 बोतलें देशी शराब बरामद की।जिसमे देव पुत्र राम चंद निवासी भटौली डाकघर मितियां तहसील नालागढ़ निवासी के विरुद्ध आबकारी अधिनियां के तहत मामला दर्ज किया।और आगामी करवाई शुरू की। इसके अलावा थाना मानपुरा में रॉयल पब्लिक स्कूल नंदपुर के निकट करियाणा की दुकान से अवैध रूप से रखी गई देशी शराब की 7 बोतलें पटियाला संतरा मार्का की बरामद कर नरेश दिवाकर पुत्र चिरंजी लाल बदायूं उतर प्रदेश के विरुद्ध आबकारी अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया।अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अशोक वर्मा ने उक्त मामलो की पुष्टि की।

माता का सृष्टि के संचालन में बहुत बड़ा योगदान -सीएमओ

शिमला . स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के सौजन्य से वीरवार को दीनदयाल उपाध्याय अस्पताल (रिपन) शिमला में राष्ट्रीय सुरक्षित मातृत्व दिवस मनाया गया। जिसकी अध्यक्षता मुख्य चिकित्सा अधिकारी शिमला डॉ0 राकेश प्रताप ने की ।

उन्होने अपने संबोधन में बताया कि माता का इस धरा पर बहुत बड़ा योगदान है । जननी रूप होने से इनके माध्यम से सृष्टि अथवा संसार चलता है । डॉ0 राकेश प्रताप ने बताया कि सुरक्षित मातृ शिशु प्रसव करवाने के लिए विभाग द्वारा अनेक कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं तथा संस्थागत प्रसव करवाने पर विशेष बल दिया जा रहा है ।

सीएमओ ने बताया कि सुरक्षित और स्वस्थ मातृत्व सुनिश्चित करने के लिए महिलाओं को गर्भवस्था, प्रसव और प्रसव के उपरांत आवश्यक देखभाल करने बारे जानकारी होना अति आवश्यक है । उन्होने बताया कि विभाग के कर्मचारियों व आशा वर्करज द्वारा गांव गांव में जाकर महिलाओं का गर्भावस्था के दौरान पूरा डाटा तैयार करने के साथ साथ उनके स्वास्थ्य की समय समय पर जांच की जाती है ।

इस मौके पर स्वास्थ्य शिक्षिका संजना दफराईक और मीना शर्मा ने कार्यक्रम में मौजूद महिलाओं को गर्भावस्था, प्रसव और प्रसव के उपरांत आवश्यक देखभाल, संस्थागत प्रसव, प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान तथा जननी सुरक्षा योजना के बारे विस्तार से जानकारी दी ।

सीटू ने जारी किया मज़दूरों का घोषणा पत्र, मज़दूर विरोधी मोदी सरकार के खिलाफ चलेगा अभियान-डॉ कश्मीर ठाकुर

प्रचण्ड समय . मंडी

सीटू का ज़िला स्तरीय अधिवेशन आज कामरेड तारा चन्द भवन मंडी में भूपेंद्र सिंह की अध्यक्षता में आयोजित किया गया।जिसमें आगामी लोकसभा चुनावों के लिए मजदूरों का घोषणापत्र जारी किया गया और अच्छे दिनों का नारा देकर सत्ता में आई नरेंद्र मोदी की सरकार का संकल्प लिया गया।

अधिवेसन में आंगनवाड़ी, मिड डे मील, मनरेगा व निर्माण, फोरलेन, रेहड़ी फड़ी व अन्य यूनियनों के 150 प्रतिनिधियों ने भाग लिया।अधिवेशन का उद्घाटन सीटू के राष्ट्रीय सचिव डॉक्टर कश्मीर सिंह ठाकुर ने किया।उन्होंने कहा कि सीटू ने राष्ट्रीय स्तर पर निर्णय लिया गया है कि लोकसभा चुनावों के दौरान मज़दूरों के लिए मोदी सरकार से पिछले दस साल का हिसाब किताब पूछा जायेगा जिसने मजदूरों के लिए बने 44 श्रम क़ानून निरस्त कर दिए हैं।ये सब पूंजीपतियों और कम्पनियों का मुनाफा बढ़ाने के लिए किया गया है।दो करोड़ रोज़गार देने का वादा किया था लेकिन हक़ीक़त में रोज़गार छीनने का काम किया गया और सार्वजनिक क्षेत्र को बेचा जा रहा है।

अग्निवीर के नाम पर नॉकरी देने के नाम पर युवाओं से धोखा किया जा रहा है।तानाशाही कायम करने के लिए सभी प्रकार की स्वायत संस्थाओं को विरोधियों को दबाने के लिए किया जा रहा है।चुने हुए मुख्यमंत्रीयों को ईडी और सीबीआई का दुरूपयोग करके जेल में रखा गया है।महंगाई और बेरोज़गारी लगातार बढ़ रही है और चुनावी बांड का घोटाला सामने आने के बाद उससे जनता का ध्यान हटाने के लिए राम मन्दिर के नाम पर वोट मांगे जा रहे हैं।लेकिन सीटू मोदी सरकार की पिछली दस साल की कारगुज़ारियों के बारे सभी मज़दूरों को अवगत करवायेगी और उसके लिए जनजागरण अभियान चलायेगी।राज्य महासचिव प्रेम गौत्तम ने कहा कि सीटू ने मजदूरों का घोषणापत्र तैयार किया है जिसे सभी मजदूरों तथा आम जनता तक पहुंचाने का काम किया जायेगा और मज़दूर विरोधी मोदी सरकार को हराने के लिए अभियान चलाया जाएगा।

मोदी सरकार ने मनरेगा, बाल विकास योजना, मिड डे मील और आशा वर्करों के वेतन में कोई बढ़ोतरी नहीं कि है और इन्हें सरकारी कर्मचारी घोषित करने के लिए वर्ष 2013 में हुए फ़ैसले को लागू नहीं किया है और अब इसे नीजि हाथों में सौंपने की तैयारी की जा रही है।मोदी सरकार ने न्यूनतम ने न तो वेतन में बृद्धि नहीं कि है उल्टा बजट में कटौती कर दी है।ये सरकार लगातार मजदूर व किसान विरोधी नीतियां बना रही है इसलिए इसे सत्ता से बाहर करना जरूरी है।भूपेंद्र सिंह ने बताया कि 30 अप्रैल तक सभी यूनियनों की खण्ड कमेटियों की बैठकें की जाएंगी और 1 मई मज़दूर दिवस से गांव गांव में जनअभियान शुरू किया जाएगा जिसमें पर्चा वितरण और बैठकें आयोजित की जाएंगी।

1 मई को मंडी, जोगिन्दर नगर,सरकाघाट और बालीचौकी में कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे। जनअभियान का समापन 30 मई को सीटू के स्थापना दिवस के मौके पर किया जायेगा।

बैठक में महासचिव राजेश शर्मा, रमेश गुलेरिया, गुरुदास वर्मा, गोपेंद्र शर्मा, इंद्र सिंह,सन्तोष कुमारी, हमिन्द्री शर्मा, बिमला, सुदर्शना, अर्चना,तमन्ना, रानी देवी, सुरेंद्र कुमार, प्रवीण कुमार, बिमला देवी, सुनीता देवी सहित डेढ़ सौ सदस्यों ने भाग लिया।

हिमाचल की चार लोकसभा चुनाव क्षेत्रों में से कांग्रेस ने संसदीय उम्मीदवार तय कर लिए है

बेबाक़ रघुनाथ शर्मा . नूरपुर

हिमाचल की चार लोकसभा चुनाव क्षेत्रों में से कांग्रेस ने मंडी, शिमला, हमीरपुर में अपने संसदीय उम्मीदवार लगभग तय कर लिए है ओर कांगड़ा चम्बा के लिए डलहौज़ी से पूर्व विधायक आशा कुमारी, कांगड़ा से प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कोषाध्यक्ष राजेश शर्मा व नूरपुर से प्रदेश कांग्रेस संगठन में प्रदेश प्रवक्ता सुदर्शन शर्मा के बीच अभी तक पेच फसा है। कांग्रेस सेंट्रल वर्किंग कमेटी (CWC) शनिवार 13 अप्रैल की मीटिंग को आलाकमान कांगड़ा चम्बा संसदीय क्षेत्र के लिए भी उम्मीदवार नाम तये करके घोषणा करेगी।

प्रचण्ड समय

राजनीतिक विश्वसनीय सूत्रों से ज्ञात हुआ कि कांगड़ा चम्बा संसदीय क्षेत्र के लिए चल रही स्क्रीनिंग चर्चा में पूर्व शिक्षामंत्री रानी आशा कुमारी, नूरपुर से प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता सुदर्शन शर्मा व कांगड़ा के डॉक्टर राजेश कुमार प्रदेश कांग्रेस के कोषाध्यक्ष तीनो नामों को लेकर सीडब्ल्यूसी में आखरी दौर का मंथन जारी है!

काबिले गौर हो कि भाजपा आलाकमान ने देश मे रिकॉर्ड मतों से कांगड़ा-चम्बा संसदीय सीट जीतने बाले गद्दी नेता किशन कपूर की टिकट काटकर नूरपुर विधानसभा से जसूर कस्बा के नए चेहरे ब्राह्मण युवा नेता डॉ राजीव भारद्वाज को टिकट देकर लोकसभा क्षेत्र के 23.5% से 25% ब्राह्मण वोटों को एक मुश्त साधने का दाव खेला है। लेकिन ऐसी खबरें आ रही हैं कि क्षेत्र का गद्दी समुदाय किशन कपूर की टिकट कटने से भाजपा से काफी नाराज चल रहा है।

अब देखना होगा की केंद्रीय कांग्रेस आलाकमान कांगड़ा चम्बा लोकसभा क्षेत्र के लिए भाजपा को चुनावी टक्कर देने के लिए क्या नया पैंतरा होगा उम्मीदवार के चयन को लेकर जिससे की बह भाजपा को कांगड़ा-चम्बा लोकसभा क्षेत्र में जोरदार टक्कर दी सके।

महेंद्रगढ़ क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय के सहायक सचिव निलंबित

राजेंद्र सिंह जादौन . चंडीगढ़

हरियाणा के नारनौल के निकट गुरुवार सुबह स्कूल बस पलटने से आठ बच्चो की मौत के मामले में महेंद्रगढ़ के क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय के सहायक सचिव प्रदीप कुमार को तुरंत प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। वहीं पुलिस ने बस ड्राइवर धर्मेंद्र को गिरफ्तार कर लिया है। मामले में स्कूल संचालक होशियार सिंह और प्रिंसिपल दीप्ति को हिरासत में लिया गया है। गुरुवार को ही हरियाणा के परिवहन आयुक्त यशेंद्र सिंह ने अतिरिक्त परिवहन आयुक्त को बस हादसे के कारणों पर तीन दिन में विस्तृत जांच रिपोर्ट भेजने को कहा है। साथ ही जिला परिवहन अधिकारी महेंद्रगढ़ के कार्यालय की लापरवाही पाए जाने पर दोषी अधिकारी को नामजद करने को भी कहा है। घटना पर शिक्षा मंत्री सीमा त्रिखा ने कहा कि आदेशों की अवहेलना करने वालों को कारण बताओ नोटिस जारी किए जाएंगे। इसके अलावा सभी स्कूल संचालकों को स्वयं प्रमाणित शपथ पत्र देना होगा। उन्होंने कहा कि इस घटना में जिम्मेदार बस चालक, स्कूल संचालक व प्राचार्य के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। वहीं स्कूल की मान्यता भी रद्द की जाएगी। सीमा त्रिखा ने कहा कि राष्ट्रीय अवकाश के दिन स्कूल खोलने पर जीएल पब्लिक स्कूल प्रबंधक को मान्यता रद करने के लिए कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। हादसे का शिकार हुई स्कूल बस का 2018 के बाद का प्रदूषण फिटनेस नहीं है। अब स्कूल प्रबंधक शपथ पत्र देंगे। स्कूल प्रबंधक स्कूल चलाएं लेकिन जिम्मेदारी से निभाएं। उन्होंने कहा कि वाहन तय मापदंड के अनुसार हैं या नहीं हैं। यह भी अब सभी स्कूल प्रबंधक शपथ पत्र के माध्यम से जिलाशिक्षाधिकारी को सुनिश्चित कराएंगे। स्कूल प्रबंधक शपथ पत्र देंगे कि मां सरस्वति के मंदिर में काम करने के समय शराब का सेवन नहीं करेंगे। अभिभावक बच्चों को आंख बंद करके बस में बैठाते हैं। बस स्कूल प्रबंधक की मानी जाएगी, ठेकेदार की नहीं मानी जाएगी।

प्रचण्ड समय

हिमाचल में आंधी, बारिश और ओलावृष्टि की चेतावनी, नौ जिलों में आरेंज अलर्ट

प्रचण्ड समय . शिमला

हिमाचल प्रदेश में अगले कुछ दिन मौसम के कड़े तेवर देखने को मिलेंगे। 13 से 16 अप्रैल तक प्रदेश में बिजली कड़कने व अंधड़ के साथ बारिश और ओलावृष्टि की चेतावनी दी गई है। इस दौरान प्रदेश के मैदानी व मध्यपर्वतीय इलाकों में येलो व आरेंज अलर्ट रहेगा। मौसम विज्ञान केंद्र शिमला ने 13 और 14 अप्रैल को नौ जिलों शिमला, सोलन, कुल्लू, सिरमौर, चंबा, कांगड़ा, उना, हमीरपुर और बिलासपुर के लिए आरेंज अलर्ट जारी किया है। इन दो दिनों में 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से हवाएं चलने की आशंका है। 12, 15 व 16 अप्रैल के लिए येलो अलर्ट जारी हुआ है। इस अवधि में राज्य के उच्च पर्वतीय इलाकों में बर्फबारी होने की भी संभावना है।

केंद्र के निदेशक सुरेंद्र पॉल ने बताया कि मैदानी व पहाड़ी इलाकों में अनेक स्थानों पर आंधी के साथ तेज बारिश हो सकती है। अगले 24 घंटों के दौरान मैदानी मध्यम उंचाई वाले इलाकों के लिए येलो अलर्ट रहेगा। उन्होंने 13 और 14 अप्रैल को आरेंज अलर्ट के चलते लोगों व प्रदेश का रूख करने वाले सैलानियों को सावधान रहने की हिदायत दी है। लाहौल-स्पीति और किन्नौर जिलों में बर्फबारी होने का अनुमान है।

इस बीच मौसम का मिजाज बिगडऩे की आशंका से किसानों को गेहूं की फसल, सेब व अन्य फलों-सब्जियों के नुक्सान का डर सताने लगा है। किसानों-बागवानों को सबसे अधिक डर ओलावृष्टि को लेकर लग रहा है। पहाड़ी इलाकों में ओलावृष्टि से सेब की फलावरिंग को नुकसान होता है, तो मैदानों में गेहूं की खड़ी व कटी फसल बर्बाद हो जाती है। मैदानी क्षेत्रों में गेहूं की फसल लगभग तैयार हो गई है और किसान अब इसे काटने की तैयारी में है।

गुरूवार को राज्य के अधिकतर हिस्सों में मौसम साफ बना रहा। राजधानी शिमला में भी दिन भर धूप खिली। मैदानी इलाकों में शूष्क मौसम से तापमान में उछाल आया है। उना में अधिकतम तापमान 34 डिग्री, हमीरपुर में 25.5 डिग्री, कांगड़ा में 30 डिग्री, धर्मशाला में 25 डिग्री, चंबा में 28.2 डिग्री, केलांग में 9.4 डिग्री, सियोबाग में 17.5 डिग्री, भुंतर में 23.3 डिग्री, मंडी में 27.6 डिग्री, बरठीं में 30.1 डिग्री, सुंदरनगर में 27.7 डिग्री, बिलासपुर में 31.3 डिग्री, जुब्बड़हट्टी में 26.3 डिग्री, शिमला में 19.7 डिग्री, कुफरी में 12.5 डिग्री, सोलन में 28.2 डिग्री, नारकंडा में 10.8 डिग्री और धौलाकूआं में 35 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

शिमला : लंगर का भोजन पकाते समय भड़की आग, एक झुलसा

प्रचण्ड समय . शिमला

राजधानी शिमला के उपनगर समरहिल के दुर्गा मंदिर में आज (गुरुवार) शाम को होने वाले लंगर के लिए खाना बनाते समय आग लग गई।

गैस सिलेंडर के रिसाव से भड़की आग की चपेट में आकर एक कामगार आंशिक रूप से झुलस गया। दमकल कर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया और बड़ा हादसा होने से रोका। आग पर समय रहते काबू नहीं पाया जाता, तो पूरा समरहिल बाजार खाक हो सकता था। समरहिल में हिमाचल प्रदेश विश्विद्यालय का परिसर भी है।

अग्निशमन कर्मियों के मुताबिक समरहिल चौक पर स्थित दुर्गा मंदिर में आज शाम को लंगर होना था। इसके लिए मंदिर के पास एक स्टोर में भोजन की तैयारी चल रही थी। दोपहर करीब एक बजे अचानक एक सिलेंडर से गैस का रिसाव हुआ और आग भड़क गई तथा आसपास की दुकानों में फैलने लगी। इससे वहां अफरा तफरी मच गई। इस दौरान खाना बना रहा मस्त राम झुलस गया। स्टोर से धुंआ और आग की लपटें निकलने से आसपास के दुकानदार दुकानें बंद कर बाहर निकल गए। सूचना मिलते ही बालूगंज अग्निशमन केंद्र से तुंरत दमकल वाहन मौके पर पहुंचे। इसके अलावा मॉल रोड और छोटा शिमला केंद्रों से भी दमकल वाहन बुलाए गए। अग्निशमन केंद्र के प्रभारी गोपाल ने बताया कि आग पर काबू पाने में करीब आधा घण्टा लगा। एक सिलेंडर में रिसाव होने से आग भड़की। दमकल कर्मियों ने अपनी जान पर जोखिम उठाकर दहकते हुये गैस सिलिंडर को बाहर निकाला और गैस सिलिंडर की आग बुझाने में सफलता हासिल की। तीन अन्य सिलेंडरों को भी बाहर निकाला। दमकल कर्मियों की मुस्तैदी से करोड़ों की संपति को जलने से बचाया गया।

मोदी, अमित शाह और हरियाणा के नेताओ ने स्कूल बस हादसे पर संवेदनाएं व्यक्त की

राजेंद्र सिंह जादौन . चंडीगढ़

नारनौल बस हादसे पर राजनेताओं ने गहरा दुख जताया है। प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा कि बस हादसा अत्यंत पीड़ादायक है।मेरी शोक संवेदनाओं उन सभी परिवारों के साथ है जिन्होंने अपने बच्चों को खो दिया।

हादसे के बाद राजनेताओं के बयान आने शुरू हो गए हैं। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह, हरियाणा के सीएम नायब सैनी, पूर्व सीएम मनोहर लाल, विपक्ष के नेता भूपेंद्र सिंह हुड्डा, कुमारी सैलजा आदि नेताओं ने अपने सोशल मीडिया 'एक्स' पर हादसे को लेकर शोक प्रकट किया।

प्रधानमंत्री मोदी ने नारनौल बस हादसे पर दुख जताते हुए सोशल मीडिया पर लिखा- हरियाणा के महेंद्रगढ़ में हुआ बस हादसा अत्यंत पीड़ादायक है। मेरी शोक-संवेदनाएं उन सभी परिवारों के साथ हैं, जिन्होंने इस दुर्घटना में अपने बच्चों को खोया है।इसके साथ ही मैं सभी घायल बच्चों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। राज्य सरकार की देखरेख में स्थानीय प्रशासन पीड़ितों और उनके परिजनों की हरसंभव सहायता में जुटा है।

देश के गृहमंत्री अमित शाह ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर लिखा-हरियाणा के महेंद्रगढ़ में स्कूल बस का दुर्घटनाग्रस्त होना बेहद दुःखद है। मेरी संवेदनाएँ मृतक बच्चों के शोक संतप्त परिजनों के साथ है। ईश्वर उन्हें यह दुःख सहने की शक्ति प्रदान करें। स्थानीय प्रशासन के द्वारा घायल बच्चों को सहायता पहुँचाई जा रही है। उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूँ।

प्रचण्ड समय

प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सैनी ने लिखा- महेंद्रगढ़ के कनीना में स्कूल बस के दुर्घटनाग्रस्त होने से आहत हूं। मेरी संवेदनाएं उन शोक संतप्त परिवारों के साथ हैं जिन्होंने अपने मासूम बच्चे खोए हैं। स्थानीय प्रशासन घायलों की सहायता के लिए मुस्तैद है।सभी घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं।

कांग्रेस नेता और सांसद राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पर लिखा कि हरियाणाा के महेंद्रगढ़ में हुई बस दुर्घटना में मासूमों की मौत का समाचार बेहद दुखद है। मैं सभी शोकसंतप्त परिजनों को अपनी गहरी संवेदनाए व्यक्त करता हूं। साथ ही सभी घायलों के जल्द ही ठीक होने की आशा करता हूं।

हरियाणा के पूर्व सीएम मनोहर लाल ने अपने एक्स पोस्ट में लिखा- कनीना में स्कूल बस के दुर्घटनाग्रस्त होने का दुःखद समाचार प्राप्त हुआ जिसमें कुछ बच्चों की असामयिक मृत्यु होने और कुछ के घायल होने की सूचना है। मैं सभी शोकसंतप्त परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना प्रकट करता हूँ और घायल बच्चों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूँ।

प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने घटना पर शोक प्रकट करते हुए कहा- नारनौल के उनहानी के पास स्कूल बस के दुर्भाग्यपूर्ण हादसे में कई बच्चों की दुःखद मृत्यु और कई बच्चों के घायल होने की खबर पीड़ादायक है। इस हादसे में अपने बच्चों को खोने वाले परिजनों के प्रति मैं गहरी संवेदनाएं प्रकट करता हूँ। ईश्वर से प्रार्थना है कि बस दुर्घटना में घायल बच्चे जल्द से जल्द स्वस्थ हों।

कांग्रेस पार्टी की महासचिव और पूर्व केंद्रीय मंत्री कुमारी सैलजा ने इस हादसे पर कहा- महेंद्रगढ़ के उनहानी गांव में बच्चों से भरी स्कूल बस के पलटने की दुखद सूचना से मन अशांत है। इस दुर्घटना में कई बच्चों की मृत्यु हो गई, ईश्वर दिवंगत आत्माओं को मोक्ष प्रदान करें एवं परिवारजनों को इस दुख की घड़ी से उबरने का संबल दें। मैं ईश्वर से घायलों के स्वास्थ्य लाभ के लिए प्रार्थना करती हूं इनेलो के प्रधान महासचिव अभय चौटाला ने घटना पर सवाल उठाते हुए लिखा- महेंद्रगढ़ के कनीना के गांव उन्हानी के पास स्कूल बस पलटने से आधा दर्जन बच्चों की मृत्यु हो गई। इस घटना के लिए स्कूल के साथ ही जिला प्रशासन भी दोषी है। आज अवकाश के बावजूद स्कूल क्यों खोला गया? काश निजी स्कूलों की मनमानी पर जिला शिक्षा अधिकारी का समय पर चाबुक चलता, तो शायद आज यह घटना ना होती। दिवंगत नौनिहालों को नम आँखों से श्रद्धांजली। ईश्वर उनके परिवारों को यह दुख सहने कि शक्ति दे।

हरियाणा के पूर्व डिप्टी सीएम और जजपा नेता दुष्यंत चौटाला ने अपने 'एक्स' पोस्ट में लिखा-महेंद्रगढ़ के उन्हानी गाँव में स्कूल बस दुर्घटनाग्रस्त होने का दुःखद समाचार मिला है जिसमें बच्चों के निधन और कुछ बच्चों के घायल होने की हृदय विदारक सूचना है।

ईश्वर से प्रार्थना करता हूँ कि मृतक बच्चों की आत्मा को शान्ति प्रदान करे और घायलों को जल्द स्वस्थ करे। भगवान से प्रार्थना है कि बच्चों के परिवार को ये अपार पीड़ा सहने की शक्ति दे।

मांस को सड़ा देने वाला 'जॉम्बी ड्रग' कैसे मौत की नींद सुला रहा? अमेरिका के बाद अब ब्रिटेन में 11 मौतें

अमेरिका के बाद अब जॉम्बी ड्रग ब्रिटेन में तबाही मचा रहा है। यहां इससे 11 लोगों की मौत हो गई है। इसका कनेक्शन अमेरिका से जोड़ा जा रहा है। यह ड्रग हाथ और पैरों में घाव की वजह बनता है और गंभीर मामलों में मरीज की मौत भी हो जाती है। बाहरी तौर पर ड्रग का सबसे ज्यादा असर स्किन पर पड़ता है। शरीर के अलग-अलग हिस्से में घाव होने शुरू हो जाते हैं। इसमें संक्रमण बढ़ता है। मरीज जॉम्बी की तरह मूवमेंट करता है। इसलिए जॉम्बी ड्रग भी कहते हैं।

अब समझते हैं कि क्या है जॉम्बी ड्रग, यह कैसे इंसानों के शरीर में पहुंच रहा, इसका इस्तेमाल क्यों बढ़ता जा रहा है और कैसे जानलेवा बन गया है?

क्या है जॉम्बी ड्रग, कैसे शरीर में पहुंच रहा?

जायलेजिन ड्रग को ही जॉम्बी ड्रग कहते हैं। आमतौर इस दवा का इस्तेमाल जानवरों में होने वाली बीमारी के इलाज में किया जाता है। अमेरिकी हेल्थ एजेंसी CDC कहती है, ऐसा पाया गया है कि अमेरिका में इस दवा की मांग में बढोतरी हुई है और इसका कनेक्शन ओवरडोज के कारण होने वाली मौतों से भी पाया गया है।

वर्तमान में जॉम्बी ड्रग का इस्तेमाल नशीले पदार्थों के साथ मिलकर किया जा रहा है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, नशीले ड्रग का कारोबार करने वाले जॉम्बी ड्रग को दूसरे नशीले पदार्थों जैसे कोकीन, हेरोईन में मिलाते हैं। इससे उनके नशीले पदार्थ की मात्रा बढ़ती है। वो शरीर पर ज्यादा असर करता और इसकी लागत में भी कमी आती है। यही वजह है कि इसका इस्तेमाल बढ़ रहा है। ड्रग के व्यापारी धड़ल्ले से इसका इस्तेमाल कर रहे हैं।

सीडीसी का कहना है कि जब इस दवा को नशीले पदार्थों के साथ मिलाकर लिया जाता है तो यह और खतरनाक हो जाता है। इस ड्रग को लेने के बाद इंसान अपने होश में नहीं रहता। शरीर में घाव होने शुरू हो जाते हैं। धीरे-धीरे यह स्थिति जानलेवा बन जाती है।

कैसे जानलेवा बनता है यह ड्रग?

शरीर में यह ड्रग पहुंचने के 20 से 30 मिनट बाद असर दिखने लगता है। वो होश खोने लगता है। कई घंटों तक नशे में रहता है। अगर इस दौरान शख्स एक ही पोजिशन में घंटों बेसुध रहता है तो शरीर में दबाव बढ़ता है और हालत बिगड़ती है। घाव का खतरा भी बढ़ता है।

इस ड्रग पर हुई रिसर्च बताती हैं कि ड्रग का असर जितनी देर तक होगा, खतरा उतना ज्यादा बढ़ेगा। बेहोश व्यक्ति की किसी भी समय मौत हो सकती है। यह ड्रग मरीज में डिप्रेशन की स्थिति पैदा करता है। कुछ मामलों में मरीजों में इतनी ज्यादा उलझन पैदा होती कि लगातार उल्टियां आने लगती हैं।

वो लक्षण जो करते हैं अलर्ट?

शरीर में इस ड्रग के पहुंचने के बाद कुछ खास लक्षण दिखाई देते हैं जो बताते हैं कि हालात बिगड़ रहे हैं। जैसे- सांस लेने में तकलीफ, ब्लड प्रेशर का गिर जाना, हार्ट रेट का कम होना, शरीर पर घाव होना और उसका संक्रमित होना। ऐसे लक्षण दिखने पर अलर्ट हो जाएं और डॉक्टर से सम्पर्क करें।

सीडीसी का कहना है कि इस तरह के ड्रग ओवरडोज के मामलों में मरीजों को Naloxone नाम की दवा दी जाती है। यह नशीले पदार्थों के असर को कम करने का काम करती है। ऐसे हालात में मरीज को सीधे डॉक्टरी सलाह लेने की बात कही जाती है।

समुद्र से दुश्मन को मुंहतोड़ जवाब... क्या है सी-डोम, जिसे पहली बार इजराइल ने उतारा

दुश्मनों को मुंह तोड़ जवाब देने के लिए इजराइल एक और कदम आगे बढ़ गया है। इजराइल ने पहली बार जहाज पर सी-डोम की तैनाती की है। इजराइल की सेना (IDF) ने इलियट क्षेत्र में एक अलर्ट जारी किया है, जिसे फरवरी में यमन के हूती विद्रोहियों ने बैलिस्टिक मिसाइल से निशाना बनाया था। इसी हिस्से के पास में ही इजराइल ने शिप माउंटेड डिफेंस सिस्टम सी-डोम को लगाया है।

इजरायली सेना ने बयान जारी करके कहा, हाल में इजराइली नौसेना के डिफेंस सिस्टम सी-डोम ने टार्गेट को रोका है। इस दौरान न तो किसी की मौत हुई और न ही किसी तरह का कोई डैमेज हुआ है। हाल में इसकी टेस्टिंग हुई थी। आइए जानते हैं, क्या है सी-डोम और कैसे काम करता है?

क्या है सी-डोम और कैसे करता है काम?

सी-डोम इजराइल के ही आयरन डोम का नेवल वर्जन हैं। यानी अब समुद्र से ही दुश्मन के हमलों को रोका जा सकता है। सी-डोम को समझने से पहले आयरन डोम को समझना होगा। आयरन डोम एक एयर डिफेंस सिस्टम है जो रॉकेट के हमले, मोर्टार और टॉप के गोले जैसे कई हमलों को भाप लेता है और उसे हवा में भी नष्ट कर देता है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, यह 70 किलोमीटर के दायरे को कवर करता है। जैसे ही कोई दुश्मन की मिसाइल या रॉकेट इस दायरे में आता है आयरन डोम का डिफेंस सिस्टम ऑटोमेटिक एक्टिव हो जाता है और उसे ध्वस्त कर देता है। आसान भाषा में समझें तो यह जमीन से हवा में मार करने वाला ऐसा डिफेंस सिस्टम है जो दुश्मन के हमलों को रोकता है। यह 90 फीसदी तक अटैक रोकने में सक्षम है।

इजराइल ने 2006 के बाद इस सिस्टम को तैयार किया था। दरअसल 2006 में लेबनान से जंग के बाद हिज्बुल्लाह ने इजरायल के उत्तरी क्षेत्र में हजारों रॉकेट दागे। इससे सैकड़ों लोगों की मौत हुई। इजराइल ने इस घटना से सबक लेते हुए आयरन डोम तैयार किया। यह हर मौसम में काम करता है और रॉकेट-मिसाइल को ट्रैक करने के लिए रडार का इस्तेमाल करता है। नया सी-डोम भी इसी तरह ही काम करता है। बस फर्क इतना है कि इसकी तैनाती समुद्री क्षेत्रों में तैनात जहाजों पर की गई है।

2014 में पेश हुआ था सी-डोम

पहली बार सी-डोम को 2014 में पेश किया गया था। 2022 में इसे सेना का हिस्सा बनाया गया। अब पहली बार इसे दुश्मन की मिसाइलों और राकेट का मुंहतोड़ जवाब देने के लिए तैनात किया गया है। हालांकि इसमें वही तकनीक इस्तेमाल की गई है जो आयरन डोम में थी। बस फर्क यह है कि आयरन डोम को जमीन पर तैनात किया गया था और सी-डोम को समुद्र में।

यह आयरन डोम से कितना अलग?

इसे तैयार करने वाली इजराइल की फर्म राफेल एडवांस डिफेंस सिस्टम लिमिटेड का कहना है कि सिर्फ दोनों के रडार में फर्क है। आयरन डोम के पास अपना खुद का रडार है। वहीं सी-डोम समुद्री जहाज में लगे रडार का इस्तेमाल अपनी तरफ बढ़ने वाले टार्गेट का पता लगाने के लिए करता है। यह अपनी गोलाकार रेंज में आने वाले टार्गेट ध्वस्त करने का काम करता है।

बीमार कस्तूरबा गांधी बेटे को देखकर क्यों सीना पीटने लगी थीं? पढ़ें दिलचस्प किस्से

मोहनदास करमचंद गांधी अगर महात्मा गांधी बने तो उसमें सबसे बड़ा योगदान कस्तूरबा का था। बापू और राष्ट्रपिता की उपाधियों से नवाजे गए तो सिर्फ इसलिए कि कस्तूरबा कंधे से कंधा मिलाकर हर वक्त उनके साथ खड़ी रहती थीं। जीवन के आखिरी दिनों में कस्तूरबा को ब्रोंकाइटिस हो गया और एक के बाद एक लगातार तीन दिल के दौरे पड़े थे। कस्तूरबा की जयंती पर आइए जान लेते हैं उनसे जुड़े किस्से।

कस्तूरबा का जन्म 11 अप्रैल 1869 को गुजरात के पोरबंदर में हुआ था। महात्मा गांधी से साल 1882 में उनका विवाह हुआ था। पहली बार वह 1896 में महात्मा गांधी के साथ दक्षिण अफ्रीका गई थीं। बापू ने स्वाधीनता के लिए आंदोलन शुरू किया तो कस्तूरबा ने उनका पूरा साथ दिया। पहली बार बा को 1908 में जेल की सजा सुनाई गई। वह अहमदाबाद के सत्याग्रह आश्रम में बापू के साथ रहने गईं। चंपारण आंदोलन में भाग लिया और 1930 के नमक सत्याग्रह में भी महात्मा गांधी के साथ खड़ी रहीं। 1932, 1933 और 1939 में भी अंग्रेजों ने उन्हें गिरफ्तार किया था।

बापू की जगह डेढ़ लाख लोगों को संबोधित किया

यह साल 1941 की बात है। महात्मा गांधी मुंबई (तब बंबई) के शिवाजी पार्क में एक जनसभा में भाषण देने वाले थे पर तय तिथि से एक दिन पहले नौ अगस्त को ही अंग्रेजों ने उन्हें बिरला हाउस से गिरफ्तार कर लिया। इसके बाद सवाल खड़ा हो गया कि आखिर इतनी बड़ी सभा का मुख्य वक्त होगा कौन। तब बा सामने आईं और बोलीं कि सभा को मैं संबोधित करूंगी। बा उस वक्त बीमार थीं और इतनी बड़ी सभा पहले कभी संबोधित भी नहीं की थीं। फिर भी उन्होंने सभा में उमड़े डेढ़ लाख लोगों को संबोधित किया। उनका भाषण सुनकर माहौल इतना भावुक हो गया कि कई लोगों की आंखों से आंसू बहने लगे थे। भाषण खत्म होते ही एक बार फिर बा को गिरफ्तार कर लिया गया। उन्हें पुणे के आगा खां पैलेस ले जाया गया, जहां बापू पहले से ही बंद थे।

अंग्रेजों ने नहीं उपलब्ध कराया डॉक्टर

आगा खां पैलेस में ही बा को गंभीर ब्रोंकाइटिस हो गया। एक के बाद एक लगातार उनको तीन बार हार्ट अटैक आया। बा बेहद कमजोर हो गईं और बिस्तर पर समय गुजारने लगीं। उनके लिए बापू ने लकड़ी की छोटी मेज बनवाई, जिसे बिस्तर पर रखकर बा खाना खा सकें। बा की बीमारी ठीक होने का नाम नहीं ले रही थी। साल 1944 के पहले महीने में महात्मा गांधी ने अंग्रेजों के गृह विभाग को लिखा कि बा को देखने लिए डॉक्टर दिनशा को बुलाया जाए और पोती कनु गांधी को उनके साथ रहने की अनुमति दी जाए।

फरवरी के पहले हफ्ते में कनु को बा के साथ रहने की अनुमति तो दे दी गई लेकिन डॉक्टर को नहीं बुलाया गया। उस वक्त डॉक्टर वैद्य राज हमेशा जेल के बाहर ही मौजूद रहते थे, जिससे बा को जरूरत पड़ने पर उनको तुरंत बुलाया जा सके। वह बाहर अपनी कार खड़ी रखते और उसी में सोते थे।

पेनिसिलीन लगाने की अनुमति महात्मा गांधी ने नहीं दी

यह वह दौर था जब पेनिसिलीन नई-नई आई थी और इसे आश्चर्यजनक रूप से बीमारियों में रामबाण माना जाता था। बा की तबीयत नहीं सुधरी तो उनके बेटे देवदास ने कलकत्ता (अब कोलकाता) से पेनिसिलीन मंगवा ली, जिसे बा को इंजेक्शन के जरिए दिया जाना था पर महात्मा गांधी ने इसकी अनुमति नहीं दी। उसी दौरान एक दिन बेटे हरिलाल बा को देखने पहुंचे तो बहुत नशे में थे। कस्तूरबा उनको देखकर बीमारी में भी अपना सीना पीटने लगी थीं। किसी तरह उनको समझाया जा सका। 22 फरवरी 1944 की शाम को 7:35 बजे बा ने इस दुनिया को हमेशा के लिए अलविदा कह दिया।

बा के अंतिम संस्कार के चौथे दिन बेटे रामदास और देवदास उनकी अस्थियां जमा करने पहुंचे तो कांच की पांच चूड़ियां ज्यों की त्यों मिलीं। चिता की आग का उन चूड़ियों पर कोई असर नहीं पड़ा था। बापू को यह बात पता चली तो उन्होंने कहा कि इससे पता चलता है कि बा हम सबके बीच ही हैं।

काजोल की थ्रोबैक तस्वीर के कैप्शन ने खींचा लोगों का ध्यान, फैंस से पूछा अनोखा सवाल

मुंबई. बॉलीवुड अभिनेत्री काजोल जो इंस्टाग्राम पर काफी एक्टिव रहती हैं वह हमेशा अपने पोस्ट के लिए सोशल मीडिया पर चर्चा में बनी रहती हैं। काजोल ने अपने बेहतरीन करियर में कई ऐसी यादगार फिल्में दी हैं जिन्हें भुलाना मुश्किल है। वह बॉलीवुड की उनक सक्सेसफुल एक्ट्रेस में से हैं जिन्हें आज भी लोग स्क्रीन पर काम करते देखना चाहते हैं। हाल ही में एक्ट्रेस काजोल ने अपनी एक पुरानी तस्वीर शेयर की है जो तेजी से वायरल हो रही है। खात बात तो ये है कि एक्ट्रेस को खुद नहीं पता की ये तस्वीर कब और कहां की है। काजोल ने इस ब्लैक एंड व्हाइट थ्रोबैक तस्वीर को शेयर करते हुए फैंस से सावल भी किया है।

काजोल ने फैंस से किया सवाल

थ्रोबैक तस्वीर के अलावा काजोल का कैप्शन भी लोगों का ध्यान खींच रहा है। जहां अभिनेत्री ने इस तस्वीर को शेयर करते हुए लिखा कि 'मुझे ये नहीं पता है कि ये तस्वीर कब और कहां की है।' इसके साथ ही कैप्शन में एक्ट्रेस ने फैंस से सवाल भी किया है कि 'क्या कोई मुझे बता सकता है कि ये तस्वीर कब की है?' काजोल की ये मोनोक्रोमैटिक तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है।

काजोल की थ्रोबैक तस्वीर वायरल

थ्रोबैक तस्वीर में अभिनेत्री काजोल को छोटे बाल और बड़े झुमके पहने देखा जा सकता है। अभिनेत्री आज भी फिल्म इंडस्ट्री में काफी एक्टिव हैं और सोशल मीडिया भी अक्सर पोस्ट करती रहती हैं। बता दें कि काजोल और अजय देवगन बॉलीवुड के सक्सेसफुल कपल्स में गिने जाते हैं। काजोल-अजय देवगन की पहली मुलाकात 1995 में फिल्म 'हलचल' के सेट पर हुई थी। वहीं परिवार और दोस्तों के बीच दोनों ने

24 फरवरी, 1999 को शादी कर ली।

प्रचण्ड समय

काजोल का वर्कफ्रंट

वर्कफ्रंट की बात करें तो एक्ट्रेस काजोल के पास 'दो पत्ती' के अलावा और भी कई प्रोजेक्ट्स पाइपलाइन में हैं, जिनमें विशाल फुरिया निर्देशित 'मां' और पृथ्वीराज सुकुमारन और राजेश शर्मा के साथ 'सरजमीन' फिल्म शामिल है।

2025 में बॉक्स ऑफिस का 'सिकंदर' बनकर लौटेंगे सलमान खान

प्रचण्ड समय

मुंबई. बॉलीवुड के सुपरस्टार सलमान खान ने इस साल यानी 2024 में आईडी के नाम पर अपनी कोई फिल्म रिलीज नहीं की है। इस बार अजय देवगन और अक्षय कुमार ने ईद के दिन अपनी फिल्में रिलीज की हैं। हालांकि लोग ये महसूस करते हैं कि बिना सलमान की फिल्म की आईडी फीकी हैं। ऐसे में कई लोग इस बात से नाराज थे। इस बीच सलमान खान ने अपने चाहने वालों को ईद पर स्टेडियम में सलामी दी है। सोशल मीडिया पर सलमान खान का एक पोस्ट आग की तरह फैल रहा है। इस पोस्ट को देखने के बाद बॉलीवुड के भाईजान के प्रेमी की खुशी आसमान पर पहुंच गई है।

साल 2025 में ईद पर रिलीज होगी सलमान खान की ये फिल्म

इंटरटेनमेंट दुनिया पर राज करने वाले सलमान खान ने अपने होल्डिंग अकाउंट को अपडेट करते हुए एक पोस्ट शेयर किया है. इसके अलावा सलमान ने अपनी 'स्टोरीथ' फिल्म के 'स्टोरीथ' से पर्दा उठाया है। बॉलीवुड के सुपरस्टार सलमान खान ने अपने चाहने वालों के साथ ईद की बधाइयां शेयर करते हुए उन्हें खुश भी कर दिया है। सलमान खान की अगली फिल्म अलेक्जेंडर साल 2025 में आईडी के मकबरे में रिलीज होगी। इस फिल्म के लिए सलमान ने ए आर मुरुगदोस से हाथ मिलाया है।

इस फिल्म में नजर आए थे सलमान खान

टीचर्स की साल 2023 में सलमान खान की फिल्म टाइगर 3 रिलीज हुई थी, जिसे लोगों ने खूब पसंद किया था। इस फिल्म में सलमान खान ने जबरदस्त एक्शन किया था। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर भी की थी छप्परफाड़ कमाई। कुल मिलाकर सलमान खान की ये फिल्म हिट साबित हुई थी। अब बॉलीवुड के भाईजान यानि सलमान फिल्म अलेक्जेंडर से वापसी करने वाले हैं। ऐसे में प्रियांक इस मूवी के लिए काफी एक्साइटेड हैं।

वॉर 2: जूनियर एन ट्रेलर से मुकाबला करने की तैयारी में खूंखार विलेन ग्राहम, इस दिन से मुंबई में शुरू हुई फिल्म की शूटिंग

मुंबई. ऋतिक रोशन-जूनियर एनटीआर ने वॉर 2 की शूटिंग शुरू की : ट्रिलियन रोशन की फिल्म वॉर ने बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचाया था। टाइगर मिशिगन और कैटरीना रोशन की ये फिल्म साल 2019 में रिलीज हुई थी, जिसमें पूरा सारा एक्शन भरा हुआ है। वहीं, अब इस फिल्म के सीक्वल पर काम कर रहे हैं। इस फिल्म की पहली योजना अयान मुखर्जी के जाने इटली के साथ ही शुरू हुई थी। उन दिनों फिल्म में खूंखार विलेन का रोल प्ले करने वाले जूनियर एन शूटिंग अपनी फिल्म देवरा की शूटिंग में बिजी थे, जिसकी वजह से वह शूट नहीं कर पाए थे, लेकिन अब जूनियर एन स्टेज शूटिंग के लिए रेडी हो गए हैं। वह इस फिल्म की शूटिंग के लिए मुंबई आ रही हैं।

प्रचण्ड समय

इस दिन से शूट करेंगे जूनियर एन ट्रेनिंग

एन जूनियर ट्रेनिंग (जूनियर एनटीआर) साउथ सिनेमा के सुपरस्टार हैं, लेकिन अब एक्टर बॉलीवुड में डेब्यू करने वाले हैं। वॉर 2 जूनियर एन ट्रेनिंग की पहली हिंदी फिल्म होगी और इसमें वह विलेन का किरदार निभा रहे हैं। फिल्म में जूनियर एन एट्रिएल और ट्रिलियन रोशन के बीच जबरदस्त मुकाबला होगा और अब इस फिल्म की शूटिंग के लिए कलाकारों ने समय निकाला है। मीडिया एडिटोरियल के मुताबिक, जूनियर एन ट्रेवल अपनी इस फिल्म के एक स्पेशल सीन को शूट करने के लिए मुंबई आ रहे हैं। ये सीन मुंबई में 11 अप्रैल यानि आज से शूट होना शुरू हो जाएगा। ट्रिलियन रोशन पहले ही फिल्म की शूटिंग कर चुके हैं, लेकिन अब जूनियर एन की शूटिंग लगभग 10 दिन पहले ही इस फिल्म की शूटिंग मुंबई में करने वाले हैं। दावा है कि ये स्पेशल सीन को जूनियर एन स्ट्रेंथ और लिटरेचर रोशन पार्ट ही शूट करने वाले हैं।

कैसा होगा जूनियर एन रेलवे का रोल

बता दें वॉर 2 के डायरेक्टर अयान मुखर्जी कर रहे हैं। यह एक स्पाई थीम फिल्म होगी, जिससे जुड़ी अधिकांश जानकारी अब तक सामने नहीं आई है और इसी वजह से जूनियर एन लेवल के रोल का खुलासा भी पूरी तरह से नहीं हुआ है।

ये बात पक्की है कि एक्टर इस फिल्म में एक विलेन एम्बर दर्शकों का दिल जीतने वाले हैं। दावा है कि जूनियर एन ट्रेन का रोल ग्रे शेड वाला है।

स्वामी, संपादक, प्रकाशक एवं मुद्रक अश्वनी वर्मा- पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार। साई कुंज, नॉर्थ ओक, संजौली, शिमला, हिमाचल प्रदेश- 171006 से प्रकाशित और डीबी कॉर्प लिमिटेड, जीटी रोड, निकट बस स्टैंड सुभानपुर, हमीरा, जिला कपूरथला, पंजाब- 144802 द्वारा मुद्रित।